डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय
आगरा
(पूर्ववर्त्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

आशाएँ
प्रगति आख्या–2022

संपादक मंडल

प्रो. प्रदीप श्रीधर
निदेशक
कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ

प्रो. वी.के सारस्वत
निदेशक
विवेकानन्द इन्क्यूबेशन केन्द्र

प्रो. संतोष बिहारी शर्मा
निदेशक
दाऊ दयाल व्यावसायिक शिक्षण संस्थान

प्रो. जैसवार गौतम
रसायन विज्ञान विभाग

प्रो. अमर प्रकाश
एस.आर.के. महाविद्यालय, फिरोजाबाद

डॉ. प्रदीप कुमार
के.एम.आई

डॉ. संदीप कुमार
के.एम.आई

श्री अनूप कुमार
सहायक कुलसचिव

प्रकाशक

डॉ. विनोद कुमार सिंह
कुलसचिव
डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

विषयानुक्रम

1.	माननीय कुलाधिपति महोदया का संदेश	(i)
2.	आदरणीय मुख्य अतिथि जी का संदेश	(ii)
3.	आदरणीय विशिष्ट अतिथियों के संदेश	(iii-iv)
4.	कुलपति जी का संदेश	(v)
5.	प्राग्भाष	(vi)
6.	डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय : एक दृष्टि में	(vii-x)
7.	विश्वविद्यालय की विगत एक वर्ष की उपलब्धियाँ	(xi-xii)

संस्थानों, विभागों एवं अध्ययन केन्द्रों की संक्षिप्त प्रगति आख्या

1.	कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ	1-3
2.	समाज विज्ञान संस्थान	4-7
3.	गृह विज्ञान संस्थान	7-8
4.	मौलिक विज्ञान संस्थान (आई.बी.एस.)	8-12
5.	दाऊ दयाल व्यावसायिक शिक्षण संस्थान	13
6.	अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान (आई.ई.टी.)	14-16
7.	सेठ पदम चन्द जैन प्रबंध संस्थान	16-17
8.	पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन संस्थान	17-18
9.	ललित कला संस्थान	18-19
10.	पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान	19
11.	शारीरिक शिक्षा संस्थान	19-20
12.	जीवन विज्ञान संस्थान (स्कूल ऑफ लाइफ सांइस)	20-25
13.	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग	25-26
14.	इतिहास एवं संस्कृति विभाग	26-27
15.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	27
16.	विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र	27-28

केन्द्रीयकृत सुविधाएँ, विभाग और प्रसार गतिविधियाँ

1.	राष्ट्रीय सेवा योजना	28-29
2.	राष्ट्रीय कैडेट कोर	29-30
3.	छात्र कल्याण विभाग	30-31
4.	सामुदायिक रेडियो	31
5.	माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा किये गये विश्वविद्यालय निरीक्षण की झलकियाँ	32
6.	समाचार–पत्रों के दर्पण में विश्वविद्यालय	33
7.	बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ (IPR Cell)	34
8.	टैबलेट / लैपटॉप वितरण	34
9.	विश्वविद्यालय के गौरवशाली पूर्व छात्र	35
10.	वैश्विक मानवीय मूल्य प्रकोष्ठ (Universal Human Values Cell)	36
11.	विश्व क्षय / निःक्षय दिवस 24 मार्च 2023	36-37
12.	महिला प्रकोष्ठ	37
13.	केन्द्रीय ग्रन्थागार	38-39
14.	रोजगार एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ	39
15.	विवेकानन्द इन्क्यूबेशन फाउण्डेशन (VIF)	40-41
16.	एम.एस.एम.ई. पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	41
17.	G20 देशों के प्रतिनिधि मंडल के आगरा आगमन पर विश्वविद्यालय की सहभागिता	42

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राज भवन
लखनऊ - 226 027

10 अप्रैल, 2023

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि डा0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा 13 अप्रैल, 2023 को अपना 88वां दीक्षान्त समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर एक पत्रिका का प्रकाशन भी किया जायेगा।

दीक्षान्त समारोह विद्यार्थियों के साथ ही संस्थान के लिये भी गर्व का अवसर होता है। विद्यार्थी मानवता के विकास एवं समृद्धि के लिए ऐसी योग्यता, क्षमता एवं प्रतिष्ठा अर्जित करें, जो दूसरों के लिए अनुकरणीय हो। आशा है कि नव उपाधि प्राप्तकर्ता छात्र विश्वविद्यालय का मान बढ़ाते हुए अपने शिक्षण के दौरान जो सीखा है, उससे वह प्रदेश एवं राष्ट्र विकास में अपना सहयोग देंगे।

मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय की ओर उन्मुख होने वाले छात्र–छात्राओं का पथ प्रशस्त करने में प्रकाशित पत्रिका महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

दीक्षान्त समारोह के आयोजन एवं पत्रिका के प्रकाशन की सफलता के लिए मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@gov.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

Prof. Manikrao M. Salunkhe

Former President,
- ASSOCIATION OF INDIAN UNIVERSITIES, NEW DELHI

Former Vice Chancellor,
- SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
- CENTRAL UNIVERSITY OF RAJASTHAN
- YCMOU, NASHIK
- SUAS, INDORE
- BHARATI VIDYAPEETH (DEEMED TO BE UNIVERSITY), PUNE

MESSAGE

I must say that Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra is among one of the leading universities in India of which we are immensely proud. I am happy to mention that this university is imparting education to the needy students in Agra and surrounding area since last 96 years, and is on its way to celebrate its centenary year very shortly, i.e in 2027. I sincerely appreciate the efforts taken by this university to develop its students with skills and much need knowledge by providing state-of-the-art facilities, research and innovations etc. I must compliment the university for steadily surging ahead as a centre for higher scientific vocational and job-oriented education and innovative research.

Convocation is indeed one of the most memorable events in academic life of students, and an important milestone. I take this opportunity to congratulate young graduands who are being conferred degrees as well as awards in this 88th Convocation of the University. I also take the opportunity to express my sincere compliments to the parents and teachers on this momentous occasion.

We are living in a very exciting times. The technological advances are taking place at unprecedented pace, it has created ample opportunities as well as posed newer challenges. As graduates, you have to play an essential role in this digital era to build new India. There is a need to embrace digital technology and leverage its power to create new opportunities, innovate, and solve the challenges faced by society.

I take this opportunity to congratulate all the graduating students and wish them very best.

Wish the convocation a grand success.

Prof. M. M. Salunkhe
Mob.: (0) 9922 699 313,
manikrao.salunkhe@gmail.com

योगेन्द्र उपाध्याय
मंत्री
उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी,
इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

कक्ष सं0–63बी/डी, मुख्य भवन
विधान भवन, लखनऊ।
दूरभाष– 2238051(कार्या0)

दिनाँक– ....

सन्देश

हमारे शास्त्रों में शिक्षा को आदिकाल से ही सर्वोच्च महत्व का स्थान दिया गया है। केलव ज्ञान ही आवश्यक नहीं है अपितु उसके साथ–साथ चरित्र, नैतिकता, सामाजिकता, आध्यात्मिकता जैसे गुणों का भी व्यक्ति में होना आवश्यक है। नयी शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की बात गहराई से रेखांकित की गई हे। हमारी शैक्षिक संस्थाएँ इन सबका सफल केन्द्र बिन्दु है।

बहुत ही हर्ष का विषय है कि डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा अपने 88वें दीक्षान्त समारोह के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय अपनी वार्षिक प्रगति आख्या (सत्र 2021–2022) का प्रकाशन एक दीक्षान्त स्मारिका में करने जा रहा है। विश्वविद्यालय से सम्बन्धित शैक्षिक सत्र की सभी गतिविधियों की सूचनाओं का एक स्थान पर संकलन होने से विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का लाभ होगा।

दीक्षान्त स्मारिका के प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

(योगेन्द्र उपाध्याय)
मंत्री
उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी,
इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

प्रो0 आशु रानी जी,
कुलपति,
डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय,
आगरा।

रजनी तिवारी
राज्य मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश

कार्या. : जी-2/3, तृतीय तल, बापू भवन,
उत्तर प्रदेश सचिवालय, लखनऊ
दूरभाष कार्यालय : 0522-2238980
सी. एच. : 0522-2214808

शुभकामना संदेश

राष्ट्र को आज ऐसे नागरिकों की आवश्यकता है, जो भारत का खोया हुआ गौरवशाली वैभव पुनः प्रदान कर सकें। सांस्कृतिक चिंतन से ओतप्रोत शिक्षा देने का कार्य हमारे विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय लंबे समय से कार्य करते आ रहे हैं। डॉ० भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा उत्तर भारत में शिक्षा और ज्ञान के प्रचार–प्रसार में अपनी महती भूमिका अदा कर रहा है।

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि डॉ० भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा अपने 88वें दीक्षान्त समारोह में वार्षिक प्रगति की एक दीक्षान्त स्मारिका के रूप में प्रकाशित कर रहा है। प्रस्तुत स्मारिका में विश्वविद्यालय से सम्बन्धित एक वर्ष में सभी गतिविधियों की सूचनाओं का संकलन है, जिसके माध्यम से पाठकों को विद्यालय सम्बन्धी सभी जानकारियाँ एक ही स्थान पर प्राप्त हो सकेंगी।

मैं दीक्षान्त स्मारिका के प्रकाशन क लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

(रजनी तिवारी)
राज्यमंत्री,
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।

आवास : 1- डालीबाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 0522-2205445

कैम्प कार्यालय : हरदोई, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 05852-222100

प्रो. आशु रानी
कुलपति
Prof. Ashu Rani
Vice-Chancellor

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय
(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय)
आगरा– 282 004 (उ.प्र.)
Dr. BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
(Formerly : Agra University)
AGRA - 282 004 (U.P.) India

सन्देश

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा (पूर्ववर्ती: आगरा विश्वविद्यालय, आगरा) उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध शैक्षिक संस्थान है, जो अपनी स्थापना के शतक की ओर अग्रसर हो रहा है।

विश्वविद्यालय को अपने मूल सिद्धांत 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' के भाव–योग के सद्मार्ग पर चलते हुए अतुलनीय विशिष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त हैं। मेधावान, ज्ञानवान और चरित्रवान नागरिकों के विनिर्माण के लिए यह विश्वविद्यालय अपनी बौद्धिक और सांस्कृतिक चेतना के साथ पूरे मनोयोग एवं समर्पण के साथ कर्मयोग के संकल्प पथ पर अग्रसर है।

यह बहुत ही प्रसन्नता का विषय है कि प्रदेश की उच्च शिक्षा को अग्रेषित करने के प्रति सदैव समर्पित डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा अपने 88वें दीक्षान्त समारोह के शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति आख्या (सत्र 2021–2022) को प्रकाशित कर रहा है। मैं शोध उपाधियाँ और पदक प्राप्त करने वाले अपने सभी विद्यार्थियों को अपना स्नेह पूर्ण आशीर्वाद तथा शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

Ashu Rani
(आशु रानी)

प्रो. प्रदीप श्रीधर

प्रो. वी.के सारस्वत

प्रो. संतोष बिहारी शर्मा

प्रो. जैसवार गौतम

प्रो. अमर प्रकाश

श्री अनूप कुमार

डॉ. प्रदीप कुमार

डॉ. संदीप कुमार

प्राग्भाष

आजादी के अमृत महोत्सव के पावन काल में हमारा विश्वविद्यालय भी अपनी स्थापना का कीर्तिशतक पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालय जीवन की शिक्षा के विधिवत् शुभारम्भ के शंखनाद स्थल होते हैं। जीवन का प्रभास और उजास युवमान शिक्षार्थी पूरे उल्लास और विश्वास से विश्वविद्यालय में आकर आत्मसात् किया करते हैं। जीवन के संकल्प–विकल्प, आरोह–अवरोह, धूप–छाँह; सभी कुछ जानने के प्रथम सोपान विश्वविद्यालय ही हैं।

आज अपने आयामचिह्नित डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के 88वें दीक्षांत समारोह के गौरवशाली शुभ अवसर पर प्रस्तुत दीक्षांत स्मारिका "आशाएँ" के माध्यम से गुणार्जन, विद्यार्जन और लोकसेवा के अनुष्ठानरूपी कार्यों को समाहारी स्वरूप में आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ।

अपने विद्यार्थियों से ध्येयनिष्ठ कर्मठता और मानवीय औदार्य का आâान करते हुए इस सुअवसर पर मैं **"वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिताः"** की भावना को परिपुष्ट करते हुए अपनी अशेष मंगलकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

प्रो. प्रदीप श्रीधर

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय : एक दृष्टि में

संक्षिप्त परिचय :

आगरा विश्वविद्यालय, आगरा की स्थापना एक जुलाई सन् 1927 ई. को हुई थी। यह उत्तर भारत के पुरातन विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसका कार्यक्षेत्र उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश और पश्चिमी बिहार तक विस्तृत रूप से फैला हुआ था। सन् 1996 ई. में इसका नामकरण डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा हुआ। इसके विभिन्न संकायों की पहली बैठक इस प्रकार हुई :

- कार्यपरिषद 15.10.1927
- संकाय (फैकल्टी) 17.10.1927
- विद्या परिषद 19.10.1927
- शैक्षिक (एकेडमिक) परिषद 21.10.1927
- सीनेट 30.10.1927

आवासीय परिसर :

विश्वविद्यालय के चार आवासीय परिसर पालीवाल पार्क, खंदारी, छलेसर एवं सिविल लाइंस में हैं, जहाँ शिक्षण कार्य होता है। प्रशासनिक खंड पालीवाल पार्क में है। महिला विद्यार्थियों हेतु छात्रावास खंदारी परिसर में है।

संबद्ध कॉलेज :

विश्वविद्यालय मूलतः संबद्ध कॉलेजों के लिए था। समय की आवश्यकतानुसार इसमें आवासीय परिसर विकसित हुए।

वर्तमान में सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या :

- राजकीय महाविद्यालय – 06
- संघटक महाविद्यालय – 01
- सहायता प्राप्त महाविद्यालय – 27
- स्ववित्तपोषित महाविद्यालय – 540

छात्र संख्या :

- आवासीय परिसर – 4,351
- सम्बद्ध महाविद्यालय – 4,79,894

अधिकार क्षेत्र :

विश्वविद्यालय का अधिकार क्षेत्र आगरा मंडल के चार जिलों आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद एवं मैनपुरी में है।

प्रथम कुलाधिपति :

महामहिम सर विलियम सिनक्लेयर मैरिस

प्रथम कुलपति :

रेवरेंड कैनन ए. डब्ल्यू. डेविस

विश्वविद्यालय का उद्देश्य, ध्येय एवं सील :

(University Objectives, Motto and Seal)

विश्वविद्यालय का उद्देश्य धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग भेद के बिना, पारदर्शिता के साथ सभी को समान रूप से शिक्षा का अवसर प्रदान करना है। विश्वविद्यालय और उसकी उपाधियाँ सर्वसमाज के लिए हैं। 'The Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra is open to all classes and creed, irrespective of, and sex differentiation and no test of any nature what-so ever of religion belief or profession can be imposed for entitlement of any certificate, diploma or degree.'

ध्येय वाक्य :

विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य
"तमसो मा ज्योतिर्गमय" है अर्थात् 'अंधकार से प्रकाश की ओर चलो'

यह विश्वविद्यालय की सील पर अंकित है।

The motto of the university is light and learning; `Tamso Ma Jyotirgamaya' (तमसो मा ज्योतिर्गमय) meaning 'lead me from darkness to light'

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

आगरा विश्वविद्यालय की स्थापना विश्वप्रसिद्ध स्मारक "ताजमहल" के शहर आगरा में हुई थी, जिसे आज हम डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के नाम से जानते हैं। यमुना नदी पर बसे आगरा को प्राचीन काल में 'अग्रवन' के नाम से भी जाना जाता था। सिकंदर ने 1504 ई. में इसे अपनी राजधानी बनाया। लोदी के बाद मुगल आये, जिन्होंने दिल्ली की तुलना में इसे अपनी राजधानी बना भारत के विस्तृत भू–भाग पर शासन किया। ब्रिटिश आधिपत्य के बाद आगरा सीधे अंग्रेजों के नियंत्रण में आ गया। 1833 ई. में आगरा की महत्वपूर्ण स्थिति के कारण इसे 'प्रेसिडेंसी' का दर्जा मिला।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में आगरा ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया था। बाद में क्रांतिकारियों के कारण आगरा का काफी नाम रहा। यहाँ 1823, 1852 एवं 1885 ई. में क्रमशः आगरा कॉलेज, सेंट जोन्स कॉलेज एवं आर. बी. एस. कॉलेज अस्तित्व में आए। प्रारम्भ में आगरा कॉलेज, कलकत्ता

विश्वविद्यालय से संबद्ध रहा। 1837 ई. में जब इलाहाबाद विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया तो आगरा कॉलेज एवं सेंट जोंस कॉलेज वहाँ से संबद्ध हो गए।

आगरा विश्वविद्यालय अपने प्रथम कुलपति रेवरेंड ए. डब्ल्यू डेविस के साथ, मुंशी नारायण प्रसाद अस्थाना, डॉ. एल. पी. माथुर, प्रो. गोकुल चंद्रा, लाला दीवान चंद्र, रायबहादुर आनंद स्वरूप, डॉ ब्रजेंद्र स्वरूप इत्यादि के सद्प्रयासों का प्रतिफल था, जिन्होंने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सरकार को तैयार किया। उस समय एक आयोग (Sadher Commission) ने पूर्व में गोरखपुर से लेकर पश्चिम में इंदौर तक फैले संबद्ध कॉलेजों के लिए एक विश्वविद्यालय स्थापना की संस्तुति की। 1921 ई. में इसके लिए प्रांतीय विधायिका में एक बिल प्रस्तुत हुआ जो 1926 ई. में पास हुआ। 11.09.1926 एवं 20.10.1926 को इस पर क्रमशः गवर्नर एवं गवर्नर जनरल की मुहर लगी। इस तरह 01.07.1927 को आगरा विश्वविद्यालय का जन्म हुआ। आई. ई. एस. अधिकारी के. पी. किचलू इसके विशेष कार्य अधिकारी 01.04.1927 को बने, जिनसे 01.11.1927 को श्री टिनकर ने चार्ज लिया। कुलसचिव पं. श्याम सुंदर शर्मा ने 14 जून से 30 जुलाई 1928 तक कुलपति कार्यालय का कार्यभार भी सँभाला। महामहिम सर विलियम सिनक्लेयर मैरिस इसके प्रथम कुलाधिपति थे। 1996 ई. में विश्वविद्यालय का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा हुआ। अब तक इसके 87 दीक्षांत समारोह हो चुके हैं।

विश्वविद्यालय की स्थिति :

प्रारंभ में विश्वविद्यालय की सीमा संयुक्त प्रांत आगरा एवं अवध, मध्य भारत, राजपूताना के 14 संबद्ध कॉलेजों तक थी, जिसमें 1472 संयुक्त प्रांत के छात्रों को मिलाकर कुल छात्र संख्या 2530 थी। प्रथम वर्ष में पंजीकृत स्नातक छात्र मात्र 85 थे। आज विश्वविद्यालय की सीमा उत्तर प्रदेश के आगरा मंडल तक है। देश के तीन प्रदेशों की सीमा (मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं हरियाणा) इससे जुड़ी हुई है। प्रदेश के 06 राजकीय महाविद्यालय, 27 सम्बद्ध महाविद्यालय, 01 संघटक महाविद्यालय एवं 540 स्ववित्त पोषित महाविद्यालय इससे संबद्ध हैं। वर्तमान में छात्रों की संख्या 4,79,894 लाख है।

आरंभ में विश्वविद्यालय में कला, विज्ञान, वाणिज्य, विधि संकाय थे। बाद में इसमें मेडीसिन (1936), कृषि (1938), शिक्षा (1938), गृहविज्ञान (1980), होम्योपैथी (1981) आए और उसके बाद फाईन आर्ट, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लाइफ साइंस, आयुर्वेद एवं यूनानी शामिल हुए।

विश्वविद्यालय भवन :

विश्वविद्यालय ने भरतपुर हाउस स्थित एक किराए के भवन में कार्यालय खोलकर कार्य शुरू किया था। 1933 ई. में इसे पालीवाल पार्क (तत्कालीन हैविट पार्क) के एक हिस्से के भवन में स्थान मिला, जिसमें प्रथम तल पर डेविस हाल (जहाँ आजकल शोध विभाग है), काउंसिल हाल और आधार तल पर कार्यालय थे। प्रशासनिक खंड के लिए दीक्षांत समारोह के अवसर पर तत्कालीन कुलाधिपति महामहिम सर माल्कम हैली ने नवम्बर 1932 ई. में शिलान्यास किया था। बाद में परीक्षा विभाग, गोपनीय विभाग, सीनेट हाल, विश्वविद्यालय कर्मियों के आवास इस परिसर में बने।

पालीवाल पार्क में आवासीय पक्ष के रूप में समाजविज्ञान संस्थान एवं कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ को 1953 में स्थान मिला। तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद ने 1956 में समाजविज्ञान संस्थान और तत्कालीन कुलाधिपति डॉ. के. एम. मुंशी ने 1957 में विद्यापीठ के भवन का उद्घाटन किया। केंद्रीय पुस्तकालय भी उसी दौरान बनकर तैयार हुआ। गृह विज्ञान संस्थान के लिए खंदारी में विश्वविद्यालय ने चार एकड़ का भूखंड क्रय कर ग्वालियर की राजमाता विजयाराजे सिंधिया से 3.12.1967 को शिलान्यास कराया। भवन का उद्घाटन तत्कालीन कुलाधिपति माननीय डॉ. बी. गोपाल रेड्डी ने 07.07.1968 को किया। बाद में गृह विज्ञान संस्थान से सटे भूखंडों को लेकर 'खंदारी परिसर' विकसित हुआ। इसमें इंस्टीट्यूट

ऑफ बेसिक साइंस (1990), सेठ पदमचंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैंनेजमेंट, कामर्स एंड इकोनोमिक्स (1993), अतिथि गृह, दाऊ दयाल व्यावसायिक संस्थान, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान, यूनिवर्सिटी मॉडल स्कूल, इंजीनियरिंग संस्थान, फार्मेसी विभाग, आंबेडकर भवन, कम्युनिटी रेडियो, खंदारी परिसर में स्थापित हुए। सिविल लाइंस स्थित खंडेलवाल कोठी में ललित कला संस्थान तथा छलेसर में शारीरिक शिक्षा विभाग की स्थापना की गयी। माननीय कुलाधिपति श्री राम नाईक ने 08.07.2016 को पं. दीन दयाल उपाध्याय संस्थान के नवीन भवन का छलेसर में शिलान्यास किया। इस प्रकार संप्रति विश्वविद्यालय चार परिसर क्रमशः पालीवाल पार्क, खंदारी, सिविल लाइंस एवं छलेसर तक विस्तृत है।

केंद्रीय पुस्तकालय :

विश्वविद्यालय की स्थापना से ही इसमें केंद्रीय पुस्तकालय स्थित रहा है। प्रारंभिक दौर में इसका संचालन कुलसचिव कार्यालय से होता था। बाद में इसे स्थापत्य भवन के रूप में पालीवाल पार्क में स्थापित किया गया। चार मंजिला भवन खुली पुस्तक की तरह है, जिस पर ग्रीक संस्कृति का प्रभाव रखने वाला बाइजांटिन गुम्बद (Byzantine dome) है। यह सात लाख की लागत से 01.03.1956 को बनकर तैयार हुआ। इसमें 1,58,000 पुस्तकें, 200 जर्नल तथा लब्ध प्रतिष्ठित विभूतियों सर्वश्री सी. वाई. महाजन, डॉ. ए. एल. श्रीवास्तव, डॉ. एस. एन. मेहरोत्रा, पं. बनारसी दास चतुर्वेदी और श्री सुंदर लाल रूपरानी इत्यादि के संग्रह हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालयों के चारों परिसरों में केंद्रीय पुस्तकालय की चार शाखाएँ हैं–

1. पालीवाल पार्क परिसर, 2. खंदारी परिसर, 3. संस्कृति भवन, 4. छलेसर परिसर।

प्रेक्षागृह, सभागार, सम्मेलन हाल :

1. 1350 के बैठने की क्षमता वाला–छत्रपति शिवाजी मण्डपम्।
2. 375 के बैठने की क्षमता वाला– जे. पी. सभागार, खंदारी।
3. 200 के बैठने की क्षमता वाला– जुबली हाल, पालीवाल पार्क।
4. 300 के बैठने की क्षमता वाला–संस्कृति भवन का सभा कक्ष।
5. लघु बैठकों के लिए बृहस्पति भवन, पालीवाल पार्क एवं अतिथि गृह सभा कक्ष, खंदारी।

विश्वविद्यालय माडल स्कूल :

नर्सरी से कक्षा 12 तक सी.बी.एस.ई. से सम्बद्ध माडल स्कूल खंदारी परिसर में 24 वर्ष से संचालित है।

आवास सुविधाएँ :

शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए पालीवाल पार्क, गोपालकुंज, खंदारी, सुल्तानगंज परिसर में आवासीय सुविधाएँ हैं। छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा भी गृहविज्ञान संस्थान, खंदारी परिसर में है।

केंद्रीय कम्प्यूटर सुविधा :

सम्पूर्ण परिसर में केंद्रीय कम्प्यूटर सुविधा है।

वाई–फाई, सी.सी.टी.वी. :

विश्वविद्यालय वाई–फाई व सी.सी.टी.वी. युक्त है।

सामुदायिक रेडियो 'आगरा की आवाज' :

सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार का प्रकल्प 90.4 MHz आगरा की आवाज 30.10.2010 से खंदारी परिसर में संचालित है। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में स्थापित यह एकमात्र सामुदायिक रेडियो है, जो जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग का एक अंग है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की विगत एक वर्ष की उपलब्धियां

शैक्षिक एवं अकादमिक उन्नयन

- विश्वविद्यालय कुलगीत का निर्धारण किया गया।
- कई वर्षों के बाद दीक्षांत पंजिका तैयार की गई और इसमें दीक्षांत समारोह में दी जाने वाली उपाधियों और अंकतालिकाओं का विवरण अंकित किया गया। इस दीक्षांत पंजिका पर माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा हस्ताक्षर भी किए गए।
- डिजिटाइजेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय ने परीक्षा विभाग के 8,62,894 चार्टों को स्कैन कर 1,15,95,828 विद्यार्थियों का डाटा अपनी वैबसाइट पर प्रदर्शित कर दिया है। अब एक क्लिक पर अंकतालिका का सत्यापन हो सकेगा।
- देश–विदेश की अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ विश्वविद्यालय ने समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किये हैं ।
- विश्वविद्यालय के चारों परिसरों (पालीवाल पार्क परिसर, खन्दारी परिसर, छलेसर परिसर एवं संस्कृति भवन) में भव्य पुस्तकालयों की स्थापना की गई है। 20 कम्प्यूटरों से युक्त प्रत्येक पुस्तकालय को ई–लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया गया है ।
- विश्वविद्यालय की आवासीय इकाई में कई वर्षों से लंबित 14 शिक्षकों की प्रोन्नतियां कर दी गई हैं।
- विश्वविद्यालय की आवासीय इकाई में संविदा और अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी कर योग्यता रखने वाले शिक्षकों की नियुक्ति की गई।
- कुल 17 नए पदक प्रारंभ किए गए।
- प्रश्न–पत्र की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए सभी नोडल केंद्रों पर आर.एफ.आई.डी (रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन डिवाइस) डिजिटल लॉक लगाए गए।
- विश्वविद्यालय के इतिहास में प्रथम बार पूर्व में कार्यरत सभी एजेन्सियों से छात्रों का डाटा लेकर उसे एन. आई. सी. (NIC) द्वारा संचालित स्टेट डाटा सर्वर पर संरक्षित किया गया, जहाँ वन व्यू सॉफ्टवेयर के माध्यम से विद्यार्थी अपनी अंकतालिकाओ और उपाधियों को देख सकते हैं।
- विश्वविद्यालय के इतिहास में प्रथम बार सन् 2015 से पूर्व के चार्टों को स्कैन करवाकर उन्हें डिजिटाइज कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।
- कई वर्ष से तैयार संस्कृति भवन में तीन विभागों का स्थानान्तरण किया गया –

  इतिहास एवं संस्कृति–विभाग, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान एवं ललित कला संस्थान
- 87वें दीक्षांत समारोह में माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा दो भवनों एवं चार ऑनलाइन व्यवस्थाओं का लोकार्पण वर्चुअल रूप से किया गया–

  संस्कृति भवन, छत्रपति शिवाजी मण्डपम्, वन व्यू सॉफ्टवेयर, जिओ टैगिंग, डिजीलॉकर और कॉल सेंटर
- 88वें दीक्षांत समारोह में स्नातक स्तर के 107222, स्नातकोत्तर स्तर के 12243, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के 19284 और विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने वाले 1040 विद्यार्थियों सहित कुल 139789 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की जाएंगी।
- 88वें दीक्षांत समारोह में कुल 123 विद्यार्थियों को पदक प्रदान किए जाएँगे। इनमें से 97 पदक छात्राओं को एवं 26 पदक छात्रों को दिए जाएँगे ।
- विश्वविद्यालय ने अभियान चलाकर वर्ष 2015 से 2020 के मध्य के सत्रों की लंबित, 499 महाविद्यालयों की कुल 35367 उपाधियों और कुल 64512 अंकतालिकाओं का वितरण कर दिया है।
- विश्वविद्यालय की आवासीय इकाई और संबद्ध सभी महाविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा–निर्देशों के अनुसार पठन–पाठन प्रारंभ कर दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में आगामी पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा में अंतरविषयी शोधकार्य भी प्रारंभ किए जाएँगे।
- विश्वविद्यालय की आवासीय इकाई के विभिन्न विभागों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों तथा शिक्षक उन्नयन कार्यक्रमों का आयोजन, शिक्षकों द्वारा विभिन्न शोध पत्रिकाओं–जर्नल में उच्च गुणवत्ता के शोधपत्र एवं पुस्तकों का प्रकाशन निरंतरता में किया जा रहा है।

- किसी भी विश्वविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता में वहाँ संपन्न शोध और अन्वेषण के कार्यों का असंदिग्ध महत्त्व है। विश्वविद्यालय द्वारा एक ऑनलाइन रिसर्च पोर्टल तैयार किया गया है जिस पर सभी शोधार्थियों का डाटा एक क्लिक में व एक स्थान पर देखा जा सकता है।
- शोध–विभाग द्वारा पीएच.डी. के 67 और डी.लिट्. के 6 शोधार्थियों की मौखिक परीक्षा सम्पन्न कराई गई।
- आवासीय इकाई की परीक्षाओं हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा एक सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है और दिसंबर 2022 की विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं का संचालन इसी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया गया है।
- विश्वविद्यालय को राज्य सरकार से चार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) प्राप्त हुए हैं, जिनमें महिला सशक्तिकरण, डेटा विश्लेषण के लिए मशीन लर्निंग तकनीक, पर्यावरण नियंत्रण में हरित रसायन विज्ञान के अनुप्रयोग और नई शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में गणित सॉफ्टवेयर हेतु प्रयोगशाला निर्माण के कार्य महत्त्वपूर्ण हैं।
- अध्ययनरत विद्यार्थियों की योग्यतानुरूप रोजगार के लिए क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय, आगरा के सहयोग से प्रथम बार विश्वविद्यालय स्तरीय रोजगार उत्सव का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में 204 छात्रों का चयन किया गया और 50 से अधिक छात्रों को अगली बार की चयन प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए सूचीबद्ध किया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा 135 रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का आवासीय इकाई और संबद्ध महाविद्यालयों में अध्यापन व संचालन किया जा रहा है।
- सत्र 2021 में कुल 369 स्मार्टफोन और 555 टेबलेट का वितरण किया गया तथा सत्र 2022 में 19 स्मार्टफोन और 653 टेबलेट का वितरण किया गया।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित मानकों पर खरा उतरने के लिए विश्वविद्यालय के नैक निरीक्षण से सम्बंधित तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। पाँचवीं A.Q.A.R. रिपोर्ट एवं S.S.R. शीघ्र ही नैक में भेज दी जाएंगी।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में विश्वविद्यालय की आवासीय इकाई और सम्बद्ध महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन–अध्यापन प्रारम्भ कर दिया गया है।
- कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ के भाषाविज्ञान विभाग के छात्रों द्वारा एक स्टार्टअप पंजीकृत किया गया है, जिसके द्वारा बनाए गए सॉफ्टवेयर को तीन संस्थाओं ने अपने प्रयोग के लिए क्रय किया है।

सामाजिक उत्तरदायित्व एवं आउटरीच गतिविधियाँ

- नारी सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए 'महिला प्रकोष्ठ' का गठन किया गया है, जिससे छात्राएँ आत्मनिर्भर और सशक्त बन सकें।
- छात्रों में उद्योगों के प्रति समझ विकसित हो सके और उनमें प्रतियोगी भावना जाग्रत हो सके, इसके लिए विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन सेल की स्थापना AICTE के मार्गदर्शन में IET संस्थान में की गई है। इसके द्वारा विद्यार्थियों को स्टार्टअप प्रारम्भ करने का कार्य कराया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में 'विवेकानंद इनक्यूबेशन फाउंडेशन' की स्थापना की है। उल्लेखनीय है कि विवेकानंद इनक्यूबेशन फाउंडेशन एक अलाभसेवी संस्था है, जो पूरे आगरा मंडल व इसके आसपास के क्षेत्रों में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा और सहयोग प्रदान करती है। इसे उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी व इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय द्वारा 1.5 करोड रुपए का अनुदान भी प्राप्त हुआ है।
- गृहविज्ञान संस्थान में आयोजित 'बापू बाजार' कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्यमिता विकास के लिए तैयार किया जा रहा है।

पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ

- राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे प्रकोष्ठ विद्यार्थियों में देशप्रेम और देशसेवा की भावना जागृत करते हैं। अत्यधिक गर्व का विषय है कि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के चार स्वयंसेवकों का कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड के शिविर के लिए चयन किया गया।
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के टी.बी. मुक्त भारत के सपने को साकार करने के लिए विश्वविद्यालय में दिनांक 24 मार्च 2023 को विश्व क्षय/निःक्षय दिवस के अवसर पर माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी के निर्देशानुसार निःक्षय मित्रों को सम्मान पत्र प्रदान किए गए। क्षय रोगियों को पोषक पोटली वितरित की गई एवं क्षय रोग के प्रति सामाजिक जागरूकता सम्बंधी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में कुलपति जी एवं शिक्षकों ने 105 क्षय रोगियों को गोद भी लिया है ताकि उन्हें इस रोग से शीघ्र ही मुक्त किया जा सके।
- जी–20 देशों के प्रतिनिधियों के आगरा आगमन के अवसर पर विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान के विद्यार्थियों ने जिला प्रशासन के सहयोग से आगरा शहर के प्रमुख मार्गों की चहारदीवारी पर सुंदर कलाकृतियों का निर्माण किया।

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ

यह डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का प्रथम संस्थान है । विद्यापीठ की स्थापना के पीछे मुख्य प्रेरणा तत्कालीन राज्यपाल उ. प्र. एवं गुजराती साहित्य के लब्ध प्रतिष्ठित रचनाकार एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी जी की थी। मुंशी जी के नाम से ही 14 दिसम्बर 1953 को विद्यापीठ की स्थापना हुई । विद्यापीठ की स्थापना के पीछे मुंशी जी की परिकल्पना यह थी कि इस शोध केन्द्र के माध्यम से भाषा का संवर्द्धन एवं अन्य भाषाओं से हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन को दिशा मिल सकेगी। प्रो. विश्वनाथ प्रसाद, प्रो. माताप्रसाद, प्रो. रामविलास शर्मा एवं. प्रो. विद्यानिवास मिश्र जैसे लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों ने विद्यापीठ के निदेशक पद को सुशोभित किया है । विद्यापीठ की स्थापना के उद्देश्य इस प्रकार हैं – हिंदी भाषा एवं साहित्य के संवर्द्धन हेतु शोध केन्द्र के रूप में विकास, तुलनात्मक साहित्यिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना, यत्र–तत्र बिखरी पड़ी हिंदी तथा अन्य भाषाओं की पाण्डुलिपियों का संरक्षण एवं उन पर अनुसंधान करना।

विद्यापीठ में संचालित विभागों के नाम :

- आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
- भाषाविज्ञान विभाग,
- विदेशी भाषा विभाग
- जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग
- संस्कृत विभाग

विद्यापीठ में संचालित पाठ्यक्रम :

- डी. लिट्.
- पीएच.डी. (हिंदी, भाषाविज्ञान)
- एम. ए. (हिंदी, भाषाविज्ञान, संस्कृत एवं फ्रेंच)
- एम.एससी. कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स
- जनसंचार में पी.जी. डिप्लोमा
- भाषाविज्ञान में डिप्लोमा
- डिप्लोमा (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- सर्टीफिकेट (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- भाषा संकाय में स्नातक
- एडवांस डिप्लोमा (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)

शिक्षकों का विवरण : हिन्दी विभाग

शिक्षक का नाम	पद नाम	विशेषज्ञता
प्रो. प्रदीप श्रीधर	आचार्य एवं निदेशक	हिंदी साहित्य, प्रवासी साहित्य
प्रो. रामशंकर कठेरिया	आचार्य	कथा साहित्य
डॉ. केशव शर्मा	सहायक प्रोफेसर	समकालीन कविता
डॉ. शालिनी श्रीवास्तव	सहायक प्रोफेसर	कथा साहित्य

विभागीय कार्यक्रम

संत कबीर पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन

भाषाविज्ञान विभाग

डॉ. नीलम यादव	असिस्टेंट प्रोफेसर	समाज भाषाविज्ञान, भाषा शिक्षण
डॉ. रणजीत भारती	असिस्टेंट प्रोफेसर	अकादमिक हिंदी, प्रकार्यात्मक
हिंदी		
डॉ. रीतेश कुमार	असिस्टेंट प्रोफेसर	तकनीकी भाषाविज्ञान

विभागीय कार्यक्रम

11.11.2022 से 17.11.2022 तक 'भारतीय ज्ञान परंपरा' पर सात दिवसीय शिक्षक उन्नयन कार्यक्रम का आयोजन

शिक्षक उन्नयन कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान करती हुई कुलपति प्रो. आशु रानी

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के उपलक्ष में दिनांक 21.02.2022 से 23.02.2022 तक तीन दिवसीय 'भारतीय मातृभाषाओं हेतु भाषा तकनीक' कार्यक्रम का आयोजन।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी

संस्कृत विभाग

डॉ. राजेन्द्र दवे	सहायक प्रोफेसर	व्याकरण एवं दर्शन
श्रीमती वर्षा रानी	सहायक प्रोफेसर	दर्शन एवं भाषाशास्त्र
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग		
डॉ. संदीप कुमार	सहायक प्रोफेसर	समकालीन पत्रकारिता

विदेशी भाषा विभाग

Faculties	Designation	Specialization
Dr. Pradeep Kumar	Asst. Prof.	Language and Literature (FLE)
Dr. Aditya Prakash	Asst. Prof.	Language and Modern Lit.
Mr. Anuj Garg	Instructor	Language
Mr. Vishal Sharma	Instructor	Language

Book and Award :

Dr. Pradeep Kumar Verma

Published a Book on Indian Moral Short Stories in French and was honoured with the AITF Award.

Seminar and Conferences

- Organized three days International Conference of French with the collaboration in Association of Indian Teachers of French (AITF) Association Internationale des études Québécoises (AIEQ) Bureau du Québec à Mumbai and Centre de Recherche Interuniversitaire sur la littérature et la culture Québécoises on Francophonie et Littérature: état actuel from 25-27 August, 2022 (It was First Post Covid International Offline French Conference in India)

International Delegates at the Department of Foreign Languages :

1.	Mme. Annie Desnoyers	Université de Montréal, Québec, Canada.
2.	Mme. Chantale Souprayenmestry	Délégation de la Réunion
3.	Mme. Christine Jauzelon	Délégation de la Réunion
4.	Mme. Elisabeth Ponama	Délégation de la Réunion
5.	M. Francis Paradis (Consul & Director)	Bureau du Québec à Mumbai.
6.	M. Paul Canaguy	Délégation de la Réunion
7.	M. Richard Souprayenmestry	President, GOPIO, Reunion
8.	Mme. Suzie Beaulieu	Québec, Canada.
9.	Mme. Yolaine Tounia	Délégation de la Réunion
10.	Prof. Yves Loiseau	Université catholique de l'Ouest, Angers, France
11.	M. Vincent Miny	France
12.	Dr. Christophe Grosse	Research Director at the Bordeaux Institute of Oncology, France. Invited talk in Department of Biochemistry, School of Life Sciences

संस्थान के शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धियाँ

प्रायोजित शोध परियोजनाएँ	: 02	प्रकाशित शोध पत्र	: 08
संपादित पुस्तक में संकलित आलेख	: 07	प्रकाशित पुस्तकें	: 11
संगोष्ठियों में सहभागिता	: 12	संपादित पुस्तकें	: 12
संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुतीकरण	: 05	पुरस्कार	: 03
वेबीनार	: 02	मुख्य वक्ता के रूप में संगोष्ठियों में सहभागिता	: 04
शैक्षिक उन्नयन कार्यक्रम का आयोजन	: 01	राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन	: 05

समाज विज्ञान संस्थान

Department of Sociology

The Department of Sociology came into existence in the year 1955 as an integral part of the Institute of Social Sciences(then the Agra University, Agra) now Dr. Bhim Rao Ambedkar University Agra. It was aimed to impart postgraduate teaching and research in Sociology along with Social Work and Social Psychology. The department is regarded as a role model for teaching and research in Sociology. Research is an essential aspect of the activities of the members of the department . These activities are undertaken at different levels. The number of students in department limit to only one section form 40 to 60 students for M.A. and 8 seats for Ph.D. The Department has had a remarkable history. Renowned professors Prof. Dhanagray, Prof. S.K Srivastava, Prof. Yogesh Atal, Prof. Yogendra Singh, Prof. B.R Chauhan, Prof. Chandi Prasad, Prof. S.V Pandey and Prof. Brijesh Chandra had served the Department.

Name of the courses

- M.A(Sociology) : 60 Seats
- Ph.D(Sociology) : 8 Seats

Details of Faculty Member :

S. NO.	Name of Faculty &Designation	Nature of the Appointment	Qualification	Experience
1.	Prof.Deepmala Srivastav (Professor)	Regular	M.A.(Sociology), M.A.(English), Ph.D	30 Year
2.	Prof.Md.Arshad (Professor)	Regular	M.A(JRF),Ph.D	24 Year
3.	Priyanka (Guest Faculty)	Guest Faculty	NET	4 year
4	Dr. Soumya Sharmistha Mallick (Guest Faculty)	Guest Faculty	NET,Ph.D	6 Month
5	Ambika (Teaching Assistant)	Teaching Assistant	M.A.,M.Phil.	6 Month

- Invited talk by Prof. Md.Arshad entiled "Indian Caste System : Social Exclusion and Inclusive Policies" to American undergraduate students in New Delhi.
- Organised one day seminar on "Women Empowerment: Emerging Challenges and Solutions" on 23rd March 2023.
- Jai kiran (Government Degree College Mant, Mathura) (Promoted As a Professor)
- Dr. Viksha Kamal (Neta Ji Subash Chand Bose Rajkiye P.G College , Aligang , Lucknow)(Promoted As a Professor).

- Aakansha kumari(Kishori Raman Mahila P.G. College , Mathura).

Best practices of the Department / Institute:

Interdisciplinary courses in the University, Collaboration with different Departments of the State Government as Rural Development, Forest Department, Education Department.

Department of Social Work

The Department of Social Work was established in the year 1957. It is one of the oldest Departments of social work of north India. It is the integral part of the Institute of Social Sciences (ISS) along with the Department of Sociology and Statistics.

Vision

- To become a leading institution for innovative, interdisciplinary approach in educating social work practitioners and scholars, conducting research, and serving as a catalyst for positive social transformation.

Courses :

- D. Litt.
- Ph. D.
- M.S.W. (Master of Social Work)

The following activities have been conducted by the Department of Social Work during 29.03.2022 to 27.03.2023:

1. Conferences/Seminars / Workshops/Invited Talks organised : 06
2. Conferences/Seminars / Workshops attended by Faculty Members : 02
3. Presented/Published Research Paper by Faculty Members : 05
4. Delivered Invited by Faculty Members : 02

Present Faculty Members :

Name	Designation	Qualification
Prof. Ranvir Singh	Professor & Head	MSW, JRF-NET. (UGC), Ph.D.
Dr. R.K. Bharti	Associate Professor	MSW, JRF-NET. (UGC), Ph.D.
Dr. Rajeev Verma	Assistant Professor (Sr. Grade)	MSW, NET. (UGC.), LL.B., Ph.D.
Dr. Mohd. Husain	Assistant Professor (Sr. Grade)	MSW, M.Phil. NET. (UGC.), Ph. D.
Dr.Rajesh Kushwaha	Assistant Professor (Sr. Grade)	MSW, NET. (UGC.), Ph. D.

Carrier of Social Workers in different fields :

A good future exists in the fields of social work education. The students of social work are placed as welfare officers and managers in the government and private sectors. Research scholars may avail fellowship from UGC, ICSSR, DST, Ministry of Social Justice and empowerment, Criminology and Correctional Administration (Ministry of Home Affair), UNICEF, WHO., and other leading institutes, NGOs and funding agencies.

Department of Statistics

Department of Statistics is an integral part of Institute of Social Sciences. Institute has 65 years' legacy of imparting Higher Education and Training in Research in the field of Sociology, Social Work and Statistics. The main objective of the establishment of this Institute was to impart quality based professional education to the students in the fields of Social Sciences, Social Work and Statistics through interdisciplinary approach and also to conduct seminars, conferences and work shops in the areas of Social Sciences and Statistics to develop the Institute as a centre of specialization and excellence. With this consideration Department of Statistics was established in the Institute as an important constituent Department of Institute of Social Sciences along with Social Work and Sociology. The Department of Statistics came into existence in 1956. Which is the second oldest Statistics Department of U.P. and is third oldest Department of Northern India. The vision of the Department is to attain peaks of excellence in the dissemination of Statistical Knowledge and Learning with a view to develop Global Competencies and contribute to National Development by generating trained manpower.

Department of Statistics offers following courses:

- D. Sc. (Statistics)
- Ph. D. (Statistics)
- M. Phil. (Statistics)-Under CBCS Pattern (Currently it is discontinued).
- M. Stat. (Master of Statistics) Under NEP-2020 based on CBCS Pattern
- B.Sc. (Statistics) Under Self Finance Scheme

CURRENT FACULTY PROFILE

	Qualification	*Designation*	*Specialization*	*Experiences*
Prof. Meenakshi Srivastava	*M.Sc., NET – JRF, Ph.D.(B.H.U.)*	*Professor &Head*	*Sample Survey , Optimization Techniques and Demography*	*33Years*
Prof. Vineeta Singh	*M.Stat., M.C.A., Ph. D.*	*Professor &Dean Research*	*Design of Experiments, Data Mining and Biostatistics*	*33Years*
Prof. Manoj Kumar Srivastava	*M.Stat., Ph.D.*	*Professor (On leave)*	*Statistical Inference*	*33Years*
Dr. Ranjana Gupta	*M.Stat., Ph.D.*	*Guest Faculty*	*Optimization Techniques, Forecasting Models*	*11 Years*

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

- The Department organised a Seminar on 29.06.2022, entitled "Statistics for National Development" in which Shri. A. Manikandan, IAS Chief Development Officer, Agra was the Chief Guest. Shri. I. B. Kulshrestha, ISS, N.S.O, Shri. Naveen Chaturvedi Dy. Director, Economics and Statistics Division, Govt. of Uttar Pradesha were Guest of Honour. Students, research scholars and teachers of the University joined this Seminar.
- The Department Organised a Seminar on 23.01.2023 entitled "Ideology of Netaji Subhash Chandra Bose: It's relevance Today" to commemorate Netaji Subhash Chandra Bose Jayanti.
- Apart from these the Department has been continuously organizing special lectures for faculty members, research scholars and students, by distinguished Professors and eminent speakers of the country on various topics of Statistics and allied areas including SPSS and R.

Other Activities :

1. The department has developed wide range of online study material on e -learning portal which is developed on LMS, on the university website.
2. Faculty members have attended Webinars, attended Faculty development programmes, Chaired Sessions and delivered Invited Talks in Conferences / Seminars at various universities.

गृह विज्ञान संस्थान

- The Institute of Home Science, located at Khandari, was established in 1968 and enjoys the status of being the first Home Science education centre of the state

- It was initially christened as Institute of Household Art and Home Science. In the beginning B.A., [Household Art] and B.Sc. [Home Science] courses of two years were pursued. In 1970, M.A .[Household Art] and M.Sc. [Home Science] courses were introduced.
- Home science is an interdisciplinary course covering a wide spectrum of subjects falling under 5 main core subjects namely Human Development & Family Students, Food & Nutrition, Textile and Apparel Design, Family Resource Management, Extension Communication and Management.

- Apart from the core subjects, it also includes accessory subjects like physiology, biochemistry, chemistry, microbiology, basic research methodology, entrepreneurship development, family life education, family dynamics, personality development, fashion designing, food preservation and quality control etc

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम:

1. B. Sc. (Home Science)
2. M. Sc. (Home Science) Specialization with, Human Development and Family Studies, Food and Nutrition, Extension, Communication and Management
3. M. A. (Home Science)
4. P.G. Diploma in Nutrition and Dietetics

1. Conferences/Seminars / Workshops/Invited Talks organised : 14
2. Delivered Invited by Faculty Members : 03

AWARD :

- Prof Achla Gakkhar has been awarded with "NAARI SHAKTI SAMANN" from Balaji Arts and welfare society, Department of History & Sanskrit, Dr. Bhim Rao Ambedkar University, Agra.
- Prof Achla Gakkhar has been awarded with "NEW INDIA CREATOR AWARD" from helping hand foundation, Agra.

मौलिक विज्ञान संस्थान (आई.बी.एस.)

Department of Physics

भौतिकी विभाग की स्थापना सन् 1981 में भौतिकी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त छात्रों को शोध प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से एक वर्षीय (दो सेमेस्टर) पाठ्यक्रम एम0फिल0 भौतिकी से की गई थी। अब तक विभाग से लगभग 500 छात्र एवं छात्राएँ एम0फिल0 की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। जिनमें से अधिकांशतः देश–विदेश के महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में शैक्षिक पद व राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक पद पर कार्य कर रहे हैं। विभाग से लगभग 125 छात्र एवं छात्राएँ पीएच0डी0 की उपाधि विभिन्न शोध क्षेत्रों यथा संघनित पदार्थ भौतिकी, परमाणु एवं उच्च ऊर्जा भौतिकी, उच्च दवाब एवं उच्च तापमान भौतिकी, माइक्रोवेव भौतिकी, नैनोमैटेरियल्स भौतिकी, सौर भौतिकी इत्यादि में प्राप्त कर चुके हैं। लगभग 500 शोध पत्र विभाग के शिक्षकों व शोधार्थियों द्वारा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित कराये जा चुके हैं।

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

(i) पीएच0डी0 भौतिकी, (ii) एम0एससी0 भौतिकी, (iii) बी0एससी0 भौतिकी (NEP)

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता, विश्वविद्यालय स्तरीय, राज्य स्तरीय अथवा राष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाले पुरस्कारों का विवरण :

1. प्रो0 बिन्दु शेखर शर्मा, एम0एससी0(भौतिकी), एम0फिल्0, पीएच0डी0
2. प्रो0 बी0पी0 सिंह, एम0एससी0(भौतिकी), एम0फिल्0, पीएच0डी0
3. डॉ0 आशुतोष द्विवेदी, एम0एससी0(भौतिकी), पीएच0डी0

अन्य उपलब्धियाँ :

- सत्र 2021–2022 के मध्य विभाग के शिक्षकों व शोध छात्रों के लगभग 10 शोध पत्र विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। विभाग के छात्र शिवम शर्मा – सी0एस0आई0आर0 नेट जे0आर0एफ0, नीतिका यादव – यू0जी0सी0 व अंकिता कुमारी – गेट उत्तीर्ण किया है। विभागीय शिक्षक को राज्य स्तरीय शोध प्रोजेक्ट भी प्राप्त हुए हैं।

Department of Chemistry

Department of Chemistry, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra was established in the year 1981 for M.Phil. and Ph.D. programmes and later on in the year 1996 M.Sc. Programme were started. Department follows semester system, which includes regular Seminars, Assignments, Periodical tests, Practical's and research work as part of curriculum. In 2022 Department has started B.Sc. (Science) course. The curriculum in all the courses have been designed as per the NEP guidelines. This department is well known for excellent research and academics and from the very beginning has strived hard for quality teaching and research and have played significant role in the field of spreading the scientific knowledge among the students who are placed in good position in the field of academics, Industry, R&D and in National & International Institute etc. Faculty of this Department up to now

have published more than 500 papers in National and International Journals of repute, awarded more than 100 doctorates and 300 M.Phil. Faculty members of the Department are life members of different organizations like Indian Science Congress Association, Kolkata, Indian Chemical Society, Kolkata, Institute of Chemists, Kolkata, Indian Council of Chemists, Agra etc. Every years many students qualify UGC-CSIR(NET) Examination. The thrust areas of research are in the field of Green chemistry, coordination chemistry, environmental chemistry, macrocyclic chemistry, polymer chemistry and Nano science. Department is well equipped with instrument like AAS, FT-IR(ATR & KBr) UV-Visible spectrometer, Gas Chromatograph, Microwave Synthesizer, Aerosol Black Carbon detector, GRIMM Aerosol spectrometer, high and low volume air samples etc. The Department has remained FIST(DST) supported from 2012-2017. The Department Faculty has carried out many projects sponsored by UGC, CSIR, DST (New Delhi), State Government, DRDO etc.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Ph.D in Chemistry
- M.Sc. Chemistry
- B.Sc

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

1) Prof. Ajay Taneja, M.Sc., Ph.D., FICC, FICS, MNASc
2) Prof. Devendra Kumar, M.Sc., M.Phil.,Ph.D.
3) Prof. Gautam Jaiswar, M.Sc., NET, Ph.D.

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ

- Workshop on Indoor Air Pollution, Key note speaker- Prof. Pawel Wargocki, International Center for Indoor Environment & Energy, Technical University of Denmark Copenhagen, Denmark 21st February 2023.
- Workshop on Intellectual Property Rights held on 17th Feb 2023 conducted by IPR Cell in Department of Chemistry
- 41st Annual Conference of Indian Council of Chemists (ICC) from 27th December to 29th December in Department of Chemistry(350 participants)
- Science, Technology and Emerging Applications of Microscopy, 11-12the, November, 2019 (225 participants).
- Invited talk by Dr. Young Mee Jung on 22/09/2018, Department of Chemistry, Kangwon National University, South Korea on Advances in TGA/DTA and its applications(70 Participants).

Felicitation of Prof. PawelWargocki from Denmark by Hon'ble Vice-Chancellor, Pro-VC, Prof Ajay Taneja and Head of the Department, Prof. Devendra Kumar.

Mr. Anuj Ashok with her colleague Ms Neetu Agarwal delivering talk during the workshop on IPR

- Invited talk by Naval Kishore Sharma (USA), DOW Chemicals on 27/07/2019 on Drug Design(approx. 60 participants).
- Invited talk by Dr. Mritunjay(DRDO) on Way and means to collaborate IPR in researched and K. Pandey, (DRDO) IPR filing and prosecution, 07/09/2019(80 participants)
- Webinar on the Wondrous World of Nanomaterials on 23rd May 2020(Online mode 900 participants)

Award conferred to Distinguished Researcher in the 41st Annual Conference of ICC

- MSME workshop on Technology based Entrepreneurship Development Programme 22nd Feb - 23rd April 2019(50 participants)

Hon'ble Chancellor Madam Smt Anandiben Patel in Inaugural Function of 41st Annual Conference of ICC conference organized by Department of Chemistry.

Department of Mathematics

The Department of Mathematics at Agra University (renamed as Dr. Bhimrao Ambedkar University) started in 1981 to run M.Phil. program. Later on, M.Sc., M.C.A., Diploma and Certificate courses in Computer Science were introduced. The Department has been supported by National Board for Higher Mathematics. At present, the Department is also the Centre of Excellence in Mathematics (U.P. State Govt.)

The faculty members are regularly attending seminars/conferences in India and abroad. The Department's Computer Lab is equipped with 15 computers with MATLAB software. All the classrooms have become Smart Class Room with financial support under RUSA. The research areas in the Department have been Fluid Mechanics, Operation Research, Reliability Theory, General Topology, Complex Analysis, Bio Mathematics, Mathematical Cryptography and Fuzzy Mathematics.

The Department has organized several workshops and conferences (including ORSI, IAPS, VPI, Ramanujan Mathematical Society etc.). The Department in its existence of 38 years has produced more than 75 Ph.D., during this period, the faculty members have published over 400 research articles and completed over a dozen research projects. The faculty members have also contributed by writing several books (including those for NCERT and UGC) and by Video lectures for UGC classroom.

Courses offered by Department : • B.Sc. • M.Sc. • Ph.D.

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

Student Development Program on SCILAB in Collaboration with IIT Bombay, November 21- 26, 2022

- Prof. Sanjeev Kumar, M.Sc. M.Phil, Ph.D.
- Prof. Sanjay Chaudhary, M.Sc., M.Phil.,Ph.D.
- Dr. Shyamli Gupta, M.Sc., NET-JRF, Ph.D.
- Dr. Sadhna Singh, M.Sc., M.Phil, Ph.D.
- Dr. Vineet Shukla, M.Sc., Ph.D.

Conference, Seminars and Workshops organized in the Department after 29 March 2022:

- Workshop on NEP-2020, 30th October 2022.
- Student Development Program on SCILAB in Collaboration with IIT Bombay, November 21- 26, 2022
- Seminar on Mathematics Day, 22nd December 2022.
- One-day seminar on "Wormholes and General Theory of Relativity" by Prof. G.S. Khadekar, 25th February 2023.
- International Conference on Mathematical Sciences and Applications, March 24-26, 2023.

International Conference on Mathematical Sciences and Applications, March 24-26, 2023.

Other Achievements:

- Prof. Sanjeev Kumar is working on a three years research project entitled "Mathematical Modelling of tumor growth and its treatment" funded by UP State Government.
- Department has got Centre for Excellence in 2022 by U.P. State Govt. a grant of Rs. 16,24,000 is received for the same.

Seminar on Mathematics Day, 22 December, 2022

Department of Pharmacy

The Department of Pharmacy is a premier institute in Uttar Pradesh, founded in 2002 under the auspices of the Faculty of Medicine at Dr Bhimrao Ambedkar University in Agra. The Department was founded with the goal of promoting excellence in pharmacy education and preparing the next generation to meet the challenges of the pharmaceutical industries, education, research, and development by utilizing cutting-edge technologies and available resources. The Pharmacy Council of India (PCI), New Delhi, has approved the Department's D. Pharm, B. Pharm, M.Pharm and Pharm.D. Programs. The Laboratories

are state- of-the-art laboratories with sophisticated, advanced, and dedicated instrument rooms, a library with computer facilities, a reprographic facility with unlimited internet access for students and faculty members for research and knowledge enhancement, and class rooms with preinstalled LCD monitors. The Department has kept abreast of paradigm shifts that have occurred in the recent era of Pharmacy education and fraternity, with the goal of providing a simulated environment on the premises to build and boost their confidence and competence levels. The Department invites learned and eminent academicians, Business Leaders, and dignitaries to deliver seminars and lectures on a regular basis in order to instill enthusiasm and zeal in students and faculty members for educational excellence.

Teaching Faculties :

S.NO.	Employee Name	Designation	Qualification
1	Prof. Brijesh Kumar Tiwari	Professor	Ph.D. , M.Pharm
2	Dr. Ravi Shekhar Sharma	Assistant Professor	Ph.D. , M.Pharm
3	Mr. Manoj Kumar Yadav	Assistant Professor	Ph.D. , M.Pharm
4	Mrs. Pratibha Mishra	Assistant Professor	M.Pharm
5	Dr. Vijay Kumar Yadav	Assistant Professor	Ph.D. , M.Pharm
6	Dr. Bhoomika Chaudhary	Assistant Professor	Ph.D. , M.Pharm
7	Dr. Swetlana	Assistant Professor	Ph.D. , M.Pharm
8	Dr. Gyanendra Singh	Assistant Professor	Ph.D. , M.Pharm
9	Mr. Arinjay Jain	Assistant Professor	M.Pharm
10	Dr. Gaurav Rajauria	Assistant Professor	Pharm. D

Courses :

B.Pharm (4 Yrs.), D.Pharm (2 Yrs.), M.Pharm (2 Yrs.) in three specializations - (Pharmaceutics, Pharmachemistry, Pharmacognosy), Pharm.D (6 Yrs.), Pharm.D (Post Bacculerate 3 Yrs.).

- Total number of students placed in repute Organisations : 20

दाऊ दयाल व्यावसायिक शिक्षण संस्थान

Dau Dayal Institute of Vocational Education (DDIVE) is a premiere institute of Vocational Education in Dr. Bhimrao Ambedkar University Agra. It is established in 1994 to impart vocational education at first degree level in the view of globalization of education and economy. The courses are running in the institute are more relevant and carrier oriented with focus on quality and excellence. During the course work grooming of students is done on various parameters such as teaching, lab work, skill development, on the job training, project work, industry visits etc., so as to make impact on National/ International levels. It is envisaged that professionally qualified graduates with a sound knowledge of core disciplines and expertise in a concerned skill will have more opening in service, industry and self employment. Demand and scope for such professionally trained graduates are visible in applied field of almost all basic/core disciplines and faculties in the current changing global scenario and is likely to increase in the future. The courses running in the institute have been modified time to time with academic knowledge. The courses have been developed as per National Educational Policy (NEP) 2020.

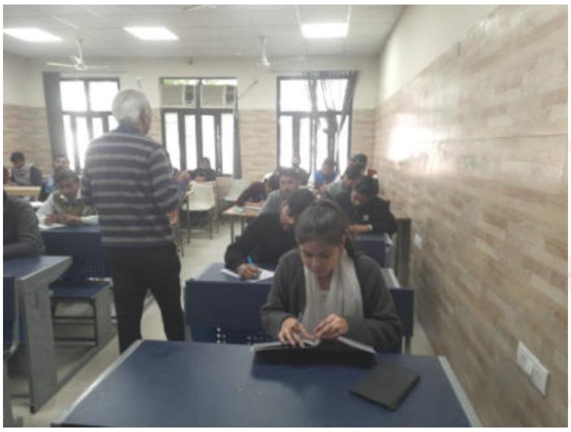

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- B .Sc. (Vocational)
- B. Com. (Vocational)
- B.Voc. (Marketing management & Information Technology)
- B.Com. as per NEP 2020
- M.Com. in groups i.e. Business Administration, Applied Business Economics, Account& Law group as per NEP 2020
- M .Sc. (Electronics & Instrumentation)
- Ph. D (Instrumentation)

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ

- Rastra Nayak Maharana Pratap Jayanti was celebrated on 9th May 2022 on the occasion of "Ajadi ka Amrit Mahotsav" Program.
- An essay completion was organized on 3rd Feb 2023 on the topic बसुधैव कुटुम्ब्कम. 87 students were participated in essay competition.

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Prof. Sharad Chandra Upadhyaya, Ph.D
- Prof. Santosh Bihari Sharma, Ph.D
- Dr. Sanjeev Sharma, Ph.D
- Dr. Krishna Kumar Pachauri, Ph.D
- Dr. Kaushal Rana, Ph.D
- Dr. Praveen Kumar, Ph.D

अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान (आई.ई.टी.)

The Institute of Engineering & Technology is an integral part of Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra (formerly Agra University), situated at Khandari Campus, Agra-282002, Uttar Pradesh and approved by AICTE (All India Council for Technical Education). Institute has implemented Outcome based model of education, which is entirely a student centric approach. IET is set in to dynamics of transformation and witnessing entirely new teaching learning environment.

Institute is running five Departments namely Department of Computer Science & Engineering, Electronics & Communication Engineering, Mechanical Engineering, Civil Engineering and Electrical Engineering. Each Department has their own state of the art laboratories with latest laboratory equipment. Institute also established Language lab with 30-computers system of latest configuration with advanced English language software, audio-visual equipment, high-speed internet and air-conditioned environment.

PROGRAMMES OFFERED :

1. Bachelor of Engineering in Computer Science & Engineering
2. Bachelor of Engineering in Electronics & Communication Engineering
3. Bachelor of Engineering in Mechanical Engineering
4. Bachelor of Engineering in Electrical Engineering
5. Bachelor of Engineering in Civil Engineering

Membership of Various Professional Bodies :

- Indian Society for Technical Education (ISTE)
- The Institution of Engineers (IE)
- Computer society of India (CSI)

Benefits of Institutional Membership :

- IEI, ISTE and CSI have forged partnership with the globally renowned journal publishing house: SPRINGER. Institutional Members are entitled to enjoy free e-access to IEI Journals by logging in through www.ieindia.org.
- Technical collaboration and sponsorship for arranging technical seminars / symposia / workshops etc.
- Institutional Members may avail the opportunity for R&D grant from IEI, ISTE and CSI.
- Participation of two representatives of Institutional Member in International activities organized by IEI across the country at a concession of 50% in Registration fee.

- Participation of Deputed Staff (both Engineering and Managerial) in Seminars / Symposia / Workshops/ Conferences at a Concessional rates.
- Use of Institution Premises for Technical / Academic purpose on payment of fee to be fixed by the State / Local Centre.
- Eligibility to apply for assistance to attend International conferences, Bi-monthly Newsletter
- Benefits available through CSI-IFIP, C-DAC, PMI & Microsoft collaboration

LIST OF FACULTY MEMBERS :

SN	FACULTY NAME	DEPARTMENT	QUALIFICATION
1	DR. SHALINI SHARMA	MATHEMATICS	Ph.D
2	ER. CHANDAN KUMAR	MECHANICAL ENGINEERING	M.Tech
3	ER. AJAY YADAV	ELECTRONICS & COMM. ENGINEERING	M.Tech
4	DR. RAJESH LAVANIA	COMPUTER SCIENCE ENGINEERING	Ph.D
5	ER. MUKESH KR. BAGHEL	ELECTRONICS & COMM. ENGINEERING	Ph.D
6	ER. AJEET SINGH YADAV	MECHANICAL ENGINEERING	ME
7	DR. REKHA SHARMA	PHYSICS	Ph.D
8	ER. VIPIN KUMAR	MECHANICAL ENGINEERING	ME
9	MR. PUSHPENDRA SINGH	PHYSICS	M.Phil
10	DR. SUNIL KUMAR	PHYSICS	Ph.D
11	ER. SARKAR S. MEHTA	COMPUTER SCIENCE ENGINEERING	M.Tech
12	ER. MAYANKA SAKET	ELECTRONICS & COMM. ENGINEERING	M.Tech
13	DR. SHILPI LAVANIA	ELECTRONICS & COMM. ENGINEERING	Ph.D
14	ER. ANKITA MAHESHWARI	ELECTRONICS & COMM. ENGINEERING	M.Tech
15	ER. NAGENDRA SINGH	MECHANICAL ENGINEERING	M.Tech
16	ER. MANISH DIXIT	MECHANICAL ENGINEERING	M.Tech
17	ER. HARVIR SINGH	MECHANICAL (WSC)	ME
18	ER. SAURABH PACHAURI	MECHANICAL ENGINEERING	M.Tech
19	DR. D.SHAKINA DEIV	ELECTRONICS & COMM. ENGINEERING	Ph.D
20	ER. PRASHANT MAHARISHI	COMPUTER SCIENCE ENGINEERING	M.Tech
21	ER. SAURABH GARG	COMPUTER SCIENCE ENGINEERING	M.Tech
22	DR. GREESH KR. SINGH	ELECTRONICS & COMM. ENGINEERING	Ph.D
23	ER. DHEERAJ SINGH	ELECTRONICS & COMM. ENGINEERING	M.Tech
24	ER. AMOL KUMAR	ELECTRONICS & COMM. ENGINEERING	M.Tech
25	ER. ASHISH SHARMA	ELECTRONICS & COMM. ENGINEERING	M.Tech

Benefits of ISTE student Chapter

ISTE student chapter help institute in following activities:

- Organise lectures by experts from industry, R&D organisations, defence services, government departments and other institutions.
- Coaching programme for writing competitive examinations and attending job interview.
- Training programme for a group of teachers by local/guest experts, i.e. computer awareness, CAD/CAM, teaching methods, project report writing, use of teaching aids, etc.
- Cultural programmes, Visits to industry, work sites
- Entrepreneurship development programmes,
- Discussions, brain-storming sessions, group activities
- Training in becoming a Master Student, Environmental Awareness, Basic Management

Skills

- Programmes in leadership and personality development
- Counselling Services, Training in public speaking

सेठ पदम चन्द जैन प्रबंध संस्थान

Seth Padam Chand Jain Institute was established in the year 1993. The purpose was to produce knowledge assets in the form of professionally qualified students. The Institute is pioneer in catering to the growing needs on management issues of the industry in the region. The Institute has experience faculties who are teaching through various modes for absolute learning. The Institute also has well equipped infrastructure like smart class room, rich library etc. for feasible teaching learning orientation.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- The Institute is offering MBA (Full Time), MBA (Part Time), PGDBM and BBA course

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

S.No.	Name	Qualification	Paper Published	FDP	Conf. / Workshop
1.	Prof. Brijesh Rawat	D.Lit, Ph.D. M.Com.	02	-	01
2.	Dr. Yogendra Kumar Sharma	Ph.D., M.Phil, M.Sc.	-	10	03
3.	Dr. Swati Mathur	Ph.D. MBA, MCM	02	01	03
4.	Dr. Ruchira Prasad	Ph.D. MBA	01	02	04
5.	Dr. Seema Singh	Ph.D., MBA	-	01	04
6.	Dr. Shweta Chaudhary	Ph.D., MBA, NET	01	02	03
7.	Ms. Shweta Gupta	MBA, NET	-	03	01
8.	Ms. Jagriti Asija	MBA, NET	-	01	05
9.	Dr. Varsha Goyal	MSW, NET, Ph.D.	02	03	02

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

Workshop-02

पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन संस्थान

This Institute came in existence in the year 2003 after the amalgamation of tourism & hotel management courses from the Dau Dayal Institute of Vocational Education & Seth Padam Chand Jain Institute of Management of this university.

The basic aim to establish this institute is to develop entrepreneurs in the field of tourism and hospitality industry. Since, tourism and hospitality industries are among the largest emerging industries of the world while in India, Agra is a part of golden triangle in the tourism itinerary of the country's attractions. Thus, it has immense opportunities in tourism & its allied sectors.

At present we are running Following Courses:

- Ph.D. in Hotel & Tourism Management
- MBA in Travel & Tourism Management
- Post Graduate Diploma in Hotel & Tourism Management
- Bachelor in Hotel Management & Catering Technology
- BBA in Hospitality Management
- BA (Vocational) in Travel & Tourism Management
- Diploma in Food Production

Details of the MOUs :

- International Educators Group(IEG) Potomac, MD-20854 USA
- International Academy of Business Potomac USA
- The Lalit Laxmi Vilas Palace Udaipur
- Howard University Centre for global business studies and school of business and seminars studies
- Panchal Shodh Evam Vikas Samiti, Farukhabad
- Rojgar Bharati , Agra
- Rashtriya Shaikshik Mahasangh , Uttar Pradesh Lucknow
- Swadeshi Jagran Manch, Agra
- Bundelkhand University, Jhansi
- Indian Tourism and Hospitality Congress (ITHC)

FACULTIES :

- Prof. U N Shukla, Director
- Prof. Lavkush Mishra, Dean

GUEST FACULTY :

- Dr. Amit Kumar Sharma
- Mr. Amit Kumar Sahu
- Ms. Priyanka
- Dr. Pramod Kumar
- Ms. Vibha Mathur
- Dr. Soumya Sharmistha Malick

संगोष्ठियों का आयोजन :

- अंतरराष्ट्रीय : 01
- प्रादेशिक : 03
- फिल्म फेस्टिवल : 01
- प्रशिक्षण कार्यक्रम : 03
- राष्ट्रीय : 05
- कार्यशाला : 02
- करियर काउंसिलिंग : 01

ललित कला संस्थान

ललित कला संस्थान कला के क्षेत्र में दिन प्रतिदिन नये आयामों का स्पर्श कर रहा है। सामाजिक विकास एवं आगरा महानगर के सौन्दर्यीकरण में संस्थान का विशेष सहयोग रहा है। फरवरी 2022 में नव भव्य विशाल भवन में ललित कला संस्थान को पुनः स्थापित किया गया व विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय, संचार प्रयोगशाला, विशाल कला वीथिका व नये उत्तम फर्नीचर के साथ वातानुकूलित कक्षाएँ उपलब्ध करायी गयीं, जिसके फलस्वरूप सत्र 2022–23 में विद्यार्थियों के प्रवेश में लगभग 50 प्रतिशत वृद्धि हुई। यहाँ के शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने इस वर्ष भी नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं जो निम्नलिखित हैं :

- महामहिम कुलाधिपति जी द्वारा आर्ट गैलरी का निरीक्षण व ललित कला संस्थान का भ्रमण, 25 सितम्बर 2022
- राजभवन से महामहिम कुलाधिपति जी के विशेष अधिकारी डॉ पंकज जानी जी का भ्रमण, 13 जून 2022
- माननीय कुलपति जी द्वारा संस्कृति भवन सिविल लाइन्स परिसर व ललित कला संस्थान का प्रथम बार निरीक्षण दिनांक 20 अक्टूवर 2022
- G-20 के अवसर पर आगरा नगर का सौन्दर्यीकरण
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित नेचर एवं वर्ड फेस्टिवल 2023 का आयोजन 1 फरवरी से 3 फरवरी विजय सागर, पक्षी विहार, महोबा में हुआ जिसमें ललित कला संस्थान की टीम को आमंत्रित किया गया
- नारी शक्ति चित्रकला प्रदर्शनी, 8–11 फरवरी 2023
- 'सांस्कृतिक संगीत प्रस्तुति', ताज महोत्सव, सूर सदन प्रेक्षागृह, आगरा 21 फरवरी 2023
- प्रस्तुति 'निनाद संगीत महोत्सव' 10 दिसम्बर 2022
- 'हर घर तिरंगा अभियान' चित्रकला प्रतियोगिता, 11अगस्त 2022
- स्किप मैके पंच दिवसीय कत्थक नृत्य कार्यशाला, 5–10 दिसम्बर 2022
- मैथमेटिकल थीम पेंटिंग कार्यशाला व प्रतियोगिता, 25–26 मार्च 2023
- वीर बाल दिवस चित्रकला प्रतियोगिता, 27 दिसम्बर 2022
- एक कला वार्ता और स्लाइड प्रस्तुति – कलाकार अखिलेश के. जी. गौड़ , ललित कला संस्थान, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा, 28 अगस्त 2022
- आर्ट टॉक एंड स्लाइड प्रेजेंटेशन– ग्लास आर्टिस्ट विजय रॉय, ललित कला संस्थान, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा, 28 अगस्त 2022
- प्रथम पुरस्कार– पोस्टर मेकिंग, अस्तुति (एम.एफ.ए. प्रथम वर्ष), विश्वविद्यालय युवोत्सव 2022
- द्वितीय पुरस्कार– रंगोली, अदिति (एम.एफ.ए. द्वितीय वर्ष), विश्वविद्यालय युवोत्सव 2022
- द्वितीय पुरुस्कार– इंस्टॉलेशन, शिवमंगल (बी. एफ.ए. तृतीय वर्ष), विश्वविद्यालय युवोत्सव 2022
- प्रथम पुरस्कार– वेस्टर्न सॉन्ग सोलो, सात्विक गोड़ (एम.एफ.ए. प्रथम वर्ष), विश्वविद्यालय युवोत्सव 2022
- द्वितीय पुरस्कार– भारतीय संगीत सोलो, पारस (एम.एफ.ए. द्वितीय वर्ष), विश्वविद्यालय युवोत्सव 2022
- द्वितीय पुरस्कार– पश्चिमी गायन समूह, बी.एफ.ए. छात्र (अनुज, अभय, माधव, शुभम, सौम्या, मानसी), विश्वविद्यालय युवोत्सव 2022
- प्रथम पुरस्कार– पोस्टर मेकिंग, अस्तुति (एम.एफ.ए. प्रथम वर्ष), नॉर्थ जोन, विश्वविद्यालय युवोत्सव 2022
- प्रथम पुरस्कार– वेस्टर्न सॉन्ग सोलो, सात्विक गोड (एम.एफ.ए. प्रथम वर्ष), नॉर्थ जोन, विश्वविद्यालय युवोत्सव 2022

- प्रथम पुरस्कार– पोस्टर मेकिंग, अस्तुति (एम.एफ.ए. प्रथम वर्ष), सेंट्रल जोन, विश्वविद्यालय युवोत्सव 2022
- द्वितीय पुरस्कार– वेस्टर्न सॉन्ग सोलो, सात्विक गोड (एम.एफ.ए. प्रथम वर्ष), सेंट्रल जोन, विश्वविद्यालय युवोत्सव 2022

पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान

DDU Institute of Rural Development was established in the year 1999 for promoting teaching and research in rural development and other related disciplines. Presently, the Institute is running following seven courses under CBC System and designed under National Education Policy, 2020 (NEP, 2020) :

● M.A. (Rural Development) : 4 Semester Course, ● M.A. (Disaster Management) : 4 Semester Course, ● M.A. (Public administration) : 4 Semester Course, ● M.A. (Education) : 4 Semester Course, ● Master of Human Resource Management (MHRM) : 4 Semester Course ● PG Diploma in Disaster Management : 2 Semester Course ● PG Diploma in Corporate Social Responsibility : 2 Semester Course

This last year, the Institute conducted the following main activities :

S.No.	*Date*	*Type of Activity*	*Description*
1.	Jan. 11-13, 2023	Training Programme	**Topic :** Disaster Risk Reduction in Rural Context
2.	Feb. 7, 2023	Speech Competition	**Topic :** Digital Economy in Linking with Economic Growth

शारीरिक शिक्षा संस्थान

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग की स्थापना 1969 मे हुई थी। शारीरिक शिक्षा विभाग अत्यंत महत्वपूर्ण विभिन्न खेल क्रियाओं में शारीरिक शिक्षा के लिए समर्पित, अनुभवी शिक्षकों के माध्यम से अत्यंत उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान करता है। शारीरिक शिक्षा के माध्यम से शारीरिक शिक्षा के छात्र–छात्राएँ जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही अनेक शैक्षिक संस्थानों और प्रशिक्षण केन्द्रों पर सफलतापूर्वक शिक्षण एवं प्रशिक्षण संचालित कर रहे हैं। अपनी योग शिक्षा के द्वारा शारीरिक शिक्षा विभाग आत्म अनुशासन एवं जीवन के योग क्रम को प्रोत्साहित कर रहा हैं।

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम

• बी0पी0ई0एस0 (त्रिवर्षीय एवं 6 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), • बी0पी0एड0 (द्विवर्षीय एवं 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), • एम0पी0ई0एस0 (द्विवर्षीय एवं 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), • पी0जी0 डिप्लोमा इन योगा एजूकेशन (एक वर्षीय योग डिप्लोमा), • बी0ए0 इन योगा (त्रिवर्षीय एवं 6 सेमेस्टर पाठ्यक्रम), • एम0ए0 इन योगा (द्विवर्षीय एवं 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम)

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- डॉ0 अखिलेश चन्द्र सक्सैना, विभागाध्यक्ष, एम0ए0,एम0पी0एड0,पीएच0डी0 (राज्य स्तर खिलाड़ी)
- डॉ0 जयदीप शर्मा, एम0ए0,एम0पी0एड0,पीएच0डी0
- डॉ0 सिंधुजा चौहान, एम0पी0एड0,पीएच0डी0
- डॉ0 महेश सिंह फौजदार, एम0पी0एड0,पीएच0डी0
- श्री रवि शंकर वर्मा, एम0पी0एड0,नेट

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ :

जीवन विज्ञान संस्थान (स्कूल ऑफ लाइफ साइंस)

Department of Zoology

Department of Zoology was established in the year 1983. The two year M.Phil (currently it is discontinue) and M.Sc. programmes in Zoology is based on the Semester system with objective to produce manpower in the applied areas. Every year 25 students are admitted on the basis of the merit/ University entrance test.

The vision of Zoology Department is to Educate & trained the students to have in-depth knowledge of the subjects in the applied field of Zoology. Making students confident for R & D activities and can also be placed in Govt Degree Colleges, Aided degree colleges thorough UPHEC, multi national and national Institutes and companies.

The Department maintains its mission as to advance the cause of higher education. Provide a sound academic background for an overall development of personality for a successful career in Zoology. Inculcate in students the right skills oriented towards self-development. Inculcate in students the need for the value of dignity of labour and the attitude. Community orientation and civic responsibilities in their outlook. Develop an orientation towards the national and global needs as responsible citizen.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Ph.D. Zoology
- M.Sc. Zoology
- B.Sc.

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Prof. P.K. Singh, Ph.D.
- Dr. AnkitaTripathi, Ph.D.

Department of Botany

Department of Botany started in 1990 with teaching in M.Phil. alone. Late Prof. S. V. S. Chauhan (Reproductive Biologist) was the founder of the Department. Subsequently M.Sc. classes in Botany were started in 1997. Research activities also started with eight Ph.D. students and dissertation work was given to M.Phil. students. The Department has a small but good botanical garden (Sur Udyan) along with a newly established botanical garden, a good library contributing as many as 50 journals, and a large number of books mainly donated by teachers and students. Our teachers and students have been participating in National and International seminars and symposia.

Courses:

- B.Sc.
- M. Sc. Botany
- Ph. D. Botany

Faculty :

- Prof. Rajneesh Kumar Agnihotri, Professor, Ph.D
- Dr. Purti Chaturvedi, Guest Teacher, Ph.D
- Dr. Anamika Upadhyay, Guest Teacher, Ph.D
- Roshita Shrivastava, Aryabhatt Teaching Assistant, M.Phil

Department of Biotechnology

The Department of Biotechnology came into existence in July 1997 under the Faculty of Life Science, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra.

Vision: To develop as a Department of eminence, delivering distinctive learning skills in biotechnology enabling excellence in professional competence and innovation for further betterment of society and mankind. The programme is designed to expose the students to recent exciting developments in the world of Biosciences and their application in Medicine, Industry and Agriculture.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम

- B. Sc. Faculty of Life Science (Biotechnology as one of the subject)
- M. Sc. Biotechnology
- Ph.D. Biotechnology

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण

Faculty	Designation	Qualification
Dr. Monika Asthana	Assistant Professor (Contract)	Ph.D.
Dr. Avnish Kumar	Assistant Professor (Contract)	Ph.D. CSIR-NET-JRF
Dr. Pramod Kumar	Assistant Professor (Contract)	Ph.D., CSIR-NET-JRF, UGC-NET-JRF, GATE, ICAR-NET, UP-CET

Talk Delivered By Faculties

- Dr. Avnish Kumar - 02
- Dr. Monika Asthana - 01

Paper presented in the Conference by the Faculties

- Dr. Monika Asthana - 02
- Dr. Avnish Kumar - 01

Department of Biochemistry

The Department of Biochemistry was established in 1997. It is approved by Higher Education, Government of Uttar Pradesh. The Department is running M.Sc. Course for which the syllabus is based on CBCS as per UGC guidelines introduced New Education Policy (2020) curriculum.

The "Department of Biochemistry" envisions an ambience of excellence, inspiring value-based education, research and development. To develop the facilities for the knowledge enhancement for the students, so they can serve better for the society and nation. To nurture and sustain academic excellence, programmed to promote innovation, scholarship and abilities to analyze, experiment and synthesize.

M.Sc programme is designed to trained and expose the students for the cutting edge developments in the area of Biochemistry/Biomedical Engineering/ Biotechnology/ Pharmacological Science/ Forensic Science/ Nutrition / Microbiology /Bioinformatics/ Nanotechnology /Nutraceuticals because these are the part of Biochemistry syllabus and their applications in industry, agriculture and medicine

Courses Offered : B. Sc., M.Sc., Ph.D.

Faculty Details :

- Dr. Udita Tiwari, Ph.D.(Biochemistry)
- Dr. Neelu Sinha, Ph.D. (Biochemistry)
- Mr.Yogendra Pratap Singh, M.Sc, CSIR NET

1. Conferences/Seminars / Workshops/Invited Talks organised : 02
2. Conferences/Seminars / Workshops attended by Faculty Members : 10

Department of Microbiology

Department of Microbiology was established in the year 1998. The two year M.Sc. programme in Microbiology is based on the Semester system with objective to produce manpower in the applied areas. Every year 25 students are admitted on the basis of the merit/ University entrance test. Initial take of 15 students that had increased to 20 and further increased to 25 on the demand of trained microbiologist.

The vision of Microbiology Department is to Educate & train the students to have in-depth knowledge of the subjects in the applied field of Microbiology. Making students confident for Research and Development activities and can be placed in multinational and national Institutes/companies.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Ph.D. Microbiology
- M.Sc. Microbiology
- B.Sc.

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

FACULTY	DESIGNATION	QUALIFICATION
Dr. Surabhi Mahajan	Assistant Professor (Contract)	Ph.D.
Dr. Ankur Gupta	Assistant Professor (Contract)	Ph.D., NET¯JRF
Dr. Harsh Kumar	Assistant Professor (Contract)	Ph.D

Cultural Event organized by the School of Life Sciences :

Dr. Surabhi Mahajan and Dr. Ankur Gupta (Program Coordinator) Cultural Carnival Under the Theme of G-20 , "Vasudhaiva Kutumbakam" on 3rd & 4th, February, 2023).

Number of Students of the Department participated in the all the events of the programme and Ms. Jyoti of M.Sc. Microbiology, I semester won second prize in classical solo dance competition.

Students achievements in Youth Fest of University:

Students of Department of Microbiology also participated in Youth Fest (1st-3rd December 2022) in various events like, Painting competition, Essay writing, Clay modeling, Installation, Dance, Mahandi etc.

Km. Shivani Singh of M.Sc. Microbiology III semester won II Prize in Essay competition

Departmental activities performed by students of microbiology:

Department of Environmental Studies

Department of Environmental Studies was established in 1998 with the Objectives-

- To Promote Environmental Education
- To Prepare Specialized Human Resources
- Generate Environmental Awareness

Courses Offered:-

a) Ph.D. Environmental Science

b) Post-graduate degree (M.Sc.) in Environmental Science Two years (4 Semester) Under New Education Policy (NEP) with CBCS System. c) B.Sc.

Organized Conference and Plantation Drive -

- Department of Environmental Studies in collaboration with other department of Faculty of Life Sciences organized a Seminar on International River Action Day on 14/03/2022.
- In celebration sequences of Azadi ka Amrit Mahotasav Department organized a poster competition on World Environment Day 2022 on the theme - ONLY ONE EARTH on 5th June 2022.

- Department organized a Rally regarding the Conservation of Environment for creating awareness among the public on World Environment Day 5th June 2022.
- Department organized a Plantation Drive 02/11/2022 in the Khandari Campus of University which was inaugurated by Hon'ble Vice- Chancellor, Prof. Ashu Rani.
- Department organized an Alumni meet in which the student of Batch 1999-2001.

Faculty Members :

1. Prof. Bhupendra Swarup Sharma - M.Sc. and Ph.D.
2. Dr. Nibha Jadon - M.Sc. and Ph.D.

Any Other Information:

- Student Achievement : Naheem Akhtar qualified UGC NET Environmental Science

Publication:

- Sharma, B. S., & Tomar, A. (2022).A Systematic Review on Long Term Variation of Carbonaceous Aerosols in PM2. 5 at Different Sites of "Delhi" Capital City of India. International Journal of Current Science Research and Review, 5(11): 4124-4139.(ISSN: 2581-8341) Indexing- Google Scholar etc. Impact Factor: 5.995 (Google Scholar)
- Yadav P. & Sharma, B.S. (2023). Evaluation of Heavy Metals in Ambient Fine Particulate Matter and Its Harmful Effects on Human Health. 8th International Conference on "Wildlife - Biosciences, Biotechnological Innovations and Avant-grade Genetic technologies" (WBBIAGT 2023) organized by Department of Animal Genetics and Breeding, College of Veterinary sciences and Animal Husbandry,U.P. Pt. Deen Dayal Upadhyaya Pashu Chikitsa Vigyan Vishwavidyalaya Mathura on -20 - 21 February 2023 - abstract published.

Organized Activity :

- Department organized a Cultural Carnival under the Theme of G-20 "Vasudhaiva Kutumbakam" with other departments of School of Life Sciences on 3-4, February 2023.

Department of Forestry

The Department was established in 1998 to give professional degree in forestry.

- **Course Offered :** M.Sc. Forestry Two years (4 Semester) with CBCS System
- Department organized INTERNATIONAL FOREST DAY ON 21MARCH 2022

Faculties Members:

- Dr. Purti Chaturvedi, M.Sc., Ph.D.
- Dr. Anamika Upadhaya, M.Sc., Ph.D.

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग

In 1989, PGDCA course was started in Department of Statistics & Computer Application. In 1994, MCA Course was introduced in Department of Mathematics & Computer Science. In 1997, M.Sc.(CS) was introduced in Department of Statistics & Computer Application. In 2004, new Institute was reconstructed with all the above courses MCA, PGDCA, M.Sc. (CS) and named as ICIS (Institute of Information and Computer Science).

Keeping in mind, the better utilization of the resources academically, administratively and financially. University constituted a restructuring Committee for the Department. The Committee had recommended the courses which are in similar nature should be run under one Umbrella. In this spirit The Executive Council had attached the Department of Computer Science with Institute of Engineering & Technology in the year 2011.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- **Ph. D.** • **M.Sc (CS) NEP** • **MCA** • **PGDCA** • **B.Sc (COMPUTER SC.) NEP**

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Prof. M.K. Upadhyay, Professor & Head, Ph.D., MCA
- Prof. V.K. Saraswat, Professor, Ph.D., MCA
- Prof. Manu Pratap Singh, Professor, Ph.D., M.Sc(CS)
- Dr. Sandeep Kumar Jain, Associate Professor, Ph.D., MCA
- Dr. Raj Kumar, Asst. Professor, Ph.D., MCA
- Dr. Amit Singhal, Asst. Professor, Ph.D. , M.Sc(Int)
- Mrs. Pratibha Rashmi, Asst. Professor, MCA, NET, Ph.D. (Pursuing)
- Mr. Hareram Kumar, Asst. Professor, MCA, NET, Ph.D. (Pursuing)
- Dr. Sadhna Golash (GL), Guest Faculty, Ph.D., M.Sc. (Math)
- Mr. Vijay Bhadouria, Aryabhatta, MCA, Ph.D. (Pursuing)

Academic Activities :

Research Paper Published	:	5
Conference Paper Presented	:	6
Seminar & Workshop Organized	:	2
Expert Lecture Delivered	:	10
Patents	:	2

इतिहास एवं संस्कृति विभाग

The Department of History & Culture was established in the year 1985 by the efforts of Professor Pratima Asthana (the founder, Head of the Department) in the Paliwal Park campus, Agra. In the year 2000 a course in Archival Studies and Museology was also introduced,

The Department of History and Culture at Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra is one of the prestigious Departments for providing teachings in social and cultural history of Ancient/Medieval/Modern India. The Department offers full-fledged post graduate and doctoral programmes, approved by University Grants Commission (UGC), with advanced infrastructure, detailed curriculum, and resourceful exchange programmes. These programmes include MA (History), M. Phil. (History) and Diploma programme in Archival Studies. Department of History and Culture also conducts qualitative researches in Ancient / Medieval / Modern Indian History.

Courses:

- MA (History), • B.A. (History) NEP, Post Graduate Diploma in Research,
- Post Graduate Diploma in Archival Studies

Teaching Faculties :

1. Prof. Brijehwar Dutt Shukla (Head), 2. Prof. Sugam Anand, 3. Prof. Anil Kumar Verma
4. Prof. Hema Pathak , 5. Dr. Amit Kumar Sharma, 6. Dr. Hemat Kumar

Seminars/Conferences:

1. Organized 8 National and 4 International Conferences
2. Gold Medal awarded to the best student of the Department in the memory of the

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

The Department of Library and Information Science established in 1984. The course of MLIS started in 1996 and Doctorial programme in Library and Information Science in 1998. In 2022 B.A. (Arts) course has been started under the faculty of Arts. During last one year Shivi Dwivedi (Contract Asst. Professor) and Akhil Sharma (Research Scholar) published one research paper each at International Conference held at New Delhi. Shivi Dwivedi (Contract Asst. Professor) successfully completed one week Faculty Development Programme. Two week refresher course successfully completed by Shivi Dwivedi and Akhil Sharma. Prof. U.C. Sharma (Head of the Library and Information Department) participated in the selection committee for the post of University Librarian, Professor and Asst. Professor in Delhi University and IGNOU.

Courses : • B.Lib. Science • M.Lib. Science • Ph.D. Lib. Science

1. Academic Activities (शैक्षिणिक गतिविधियाँ)– Started the Course B.A (Arts)
2. Invited Lectures (आमंत्रित व्याख्यान)–

- Invited Talks delivered by Prof- U-C- Sharma on refresher course at Hari Sigh Gaur University, M-P- in February 2023.
- Invited Talks delivered by Prof. U.C. Sharma on Research Methodology at Jiwaji University, Gwalior in November 2022.
- Attended three selection committee as an expert to select the candidates for the post of Professor, Librarian, Dy. Librarian, Asst. Professor at IGNOU and DELHI UNIVERSITY.

3. Research Paper Publications (प्रकाशित शोधपत्र / शोधपत्र प्रकाशन)– 02
4. Paper Presentations (शोधपत्र प्रस्तुतीकरण)– 02
5. Participation in Faculty Development Program/Workshop/Short Term Training Program (शिक्षक उन्नयन कार्यक्रम / कार्यशाला / अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता)– 06
6. Future plannings (आगे की गतिविधियाँ)– Proposed educational tour to visit various types of Libraries
7. Student achievement (छात्र / छात्रा उपलब्धि)– 1st winner in poetry Reciting in the competition of Youth Festival 2022, on 2nd December Dr. B.R. Ambedkar University, Agra 282004

विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र

About University Computer Centre

The University Computer Centre (UCC) was established at Khandari Campus in 1993 by the UGC grant of Rs. 30 lacs. The University Computer Centre is well equipped with devices like printers, scanners and computers of latest configuration.Wi-Fi facility for all

students and Staff of UCC.UCC is providing computing facilities to the research scholars of all the Department/Institutes. In 2017, Lab has been upgraded with the computer machine of the latest configuration. Physical infrastructure has also been renovated in same year.

Courses offered

- Three Years Degree Course :
  Bachelor of Computer Application(BCA) started from 2019.
- Post Graduate Diploma in Information Technology (PGDIT).

Activities & Placement of the Department

18 April 2022, ICICI Bank
11 Students Selected for Job

13 April 2022, Shree Ram International School, 8 Student selected

Faculty

- Prof. Anil Kumar Gupta, Head, Ph.D.
- Rajiv Kapil, System Analyst, M.Tech.
- Dr. Meenakshi Choudhary, Subject Expert, Ph.D.
- Dr. Sudha N., Assistant Professor, Ph.D.
- Sonal Pandey, Assistant Professor, M.Tech.
- Sumit Pathak, Assistant Professor, M.Tech., M.C.A. (Ph. D. Persuing)
- Dr. Sadhana Singh, Subject Expert, Ph.D.

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के युवा कार्यक्रम, एवं खेल मंत्रालय द्वारा सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में चलाया जाने वाला एक बहुउद्देश्यीय कार्यक्रम है। यह योजना स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व का बहुआयामी विकास करती है। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय–सेवा योजना के अन्तर्गत सत्र 2022–23 में 70 महाविद्यालयों/संस्थानों में 111 इकाई संचालित हैं। वर्तमान में राष्ट्रीय–सेवा योजना के अन्तर्गत वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर, स्वच्छता कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा अभियान, मतदाता जागरूकता अभियान, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान एवं स्वास्थ्य जागरूकता आदि कार्यक्रमों को आयोजित किया गया, जिनमें कार्यक्रम अधिकारियों व स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इनका सफल आयोजन किया। इसके अतिरिक्त राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में भी हमारे विश्वविद्यालय की सहभागिता सराहनीय रही है।

विश्वविद्यालय के 04 स्वयंसेवकों ने 01 से 31 जनवरी 2023 तक नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस मार्च शिविर में प्रतिभागिता कर 26 जनवरी 2023 को राजपथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेकर महामहिम राष्ट्रपति जी को सलामी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना के मध्य जोन के पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य के गुरू घासी दास वि0वि0 बिलासपुर में किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के 10 स्वयंसेवकों व 01 कार्यक्रम अधिकारी ने भाग लिया। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर धारवाड़, कर्नाटक में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में 04 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विभिन्न राज्यों में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविरों (एन0आई0सी0) में भी विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों की प्रतिभागिता सराहनीय रही है जिसके तहत राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हस्सन, कर्नाटक में 05 स्वयंसेवकों, एन0आई0सी0 बैंगलोर, कर्नाटक में 08 स्वयंसेवकों, एन0आई0सी0 पटियाला, पंजाब में 10 स्वयंसेवक ने, एन0आई0सी0 बरेली, उत्तर प्रदेश में 05 स्वयंसेवकों और एन0आई0सी0 रोहतक, हरियाणा में 01 स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। इसके साथ विश्वविद्यालय के 04 स्वयंसेवकों एवं 01 कार्यक्रम अधिकारी ने हिमाचल प्रदेश के कांगडा जिले के अटल बिहारी वाजपेयी जल क्रीड़ा संस्थान, पौंगडेम द्वारा आयोजित साहसिक शिविर में भाग लिया। भारत सरकार की अन्तर्राष्ट्रीय युवा विनिमय पहल के तहत बांग्लादेश, वियतनाम एवं मध्य एशिया देशों से आगरा आये युवा दलों का स्वागत विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया।

21 जून 2022 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा छात्र कल्याण विभाग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के खन्दारी परिसर के दीक्षांत समारोह पार्क में योग कार्यक्रम का आयोजन कराया गया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 900 स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग कर योग किया। 14 जून 2022 को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जे0पी0 सभागार में रक्तदाता जागरूकता कार्यक्रम एवं रक्तदान शिविर का आयोजन कराया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में ''हर घर तिरंगा अभियान'' मनाया गया जिसके अन्तर्गत 11 से 17 अगस्त 2022 तक जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़–नाटक, एवं 14 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता दिवस के पूर्व दिवस पर विश्वविद्यालय के खन्दारी परिसर से शहीद स्मारक, संजय पैलेस तक तिरंगा रैली निकाली गई। उ0प्र0 शासन के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम के तहत 05 जनवरी से 04 फरवरी 2023 तक सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन विश्वविद्यालय से संबंधित विभिन्न महाविद्यालयों में किया गया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की संकल्पना को पूर्ण करते विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ''इण्डिया / 2047'' विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन 10 मार्च 2023 को सेन्ट जोंस महाविद्यालय, आगरा में किया गया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

विश्वविद्यालय के एन.सी.सी अधिकारियों एवं कैडेट्स द्वारा गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी अनेक राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय उपलब्धियाँ हासिल की गयीं।

- 15 अगस्त 2023 को दिल्ली में लाल किले पर आयोजित "आजादी का अमृत–महोत्सव" कार्यक्रम में प्रधानमंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ प्रतिभागिता की, जिसमें उत्तर प्रदेश निदेशालय का प्रतिनिधित्व कैप्टन रीता निगम ने किया था जिसके लिए उन्हें रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।
- "स्वतंत्रता दिवस/एक भारत श्रेष्ठ भारत कैंप" दिल्ली में आगरा के कैडेट्स ने कैप्टन रीता निगम के निर्देशन में, 17 निदेशाल्य के मध्य सांस्कृतिक प्रतियोगिता में, उत्तर प्रदेश की संस्कृति को प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर कीर्तिमान स्थापित किया जो अत्यंत गौरव के क्षण रहे जिसके लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने बधाईयाँ प्रेषित की थी।

- "गणतंत्र दिवस कैंप–2023" में विश्वविद्यालय से 12 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया, जिसमें कर्तव्य पथ, गार्ड ऑफ ऑनर, प्रधानमंत्री रैली एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।
- सार्जेंट रीगुल शर्मा को बेस्ट कैडेट के लिए "महानिदेशक सर्वोत्कृष्ट पदक" एवं कैडेट बिपिन यादव को "राज्यपाल स्वर्ण पदक" प्राप्त हुआ।
- कैप्टन रीता निगम को एन सी सी में उनके योगदान के लिए अतिरिक्त महानिदेशक एवं ग्रुप कमांडर द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया था।
- सीनियर अंडर ऑफिसर अनामिका यादव, अंडर ऑफिसर सोनम रघुवंशी तथा कैडेट मोहिनी ने उत्तराखंड में "डोकरियानी ग्लेशियर" में 14650 फीट तक पर्वतारोहण किया।
- अंडर ऑफिसर दिव्यांशी ने "पैरा बेसिक कोर्स" में चयनित होकर हवाई जहाज से 1250 फीट की ऊँचाई से पैराशूट जंप किया।
- कॉरपोरल यानिका कपूर, "ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी" चेन्नई के लिए चयनित हुईं।
- अंडर ऑफिसर वैष्णवी एवं सार्जेंट रीगुल शर्मा का चयन "यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम" के लिए हुआ।
- सार्जेंट आरजू चाहर ने "मालवलंकर शूटिंग" प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।
- कॉरपोरल अंजली सिंह, सिमरन कुशवाह, अनुराधा जादौन, जैस्मीन एवं कामिनी "एक भारत श्रेष्ठ भारत कैंप" में चयनित हुईं।
- कॉरपोरल आयुषी नागर एवं धारा "एडवांस लीडरशिप कैंप" के लिए चयनित हुईं।
- "पुनीत सागर अभियान" के अंतर्गत 18 देशों से आए विदेशी कैडेट्स के साथ ताजमहल के पार्श्व में मेहताब बाग में सफाई अभियान चलाया गया तथा नुक्कड़ नाटक द्वारा स्वच्छता का संदेश दिया।
- विश्वविद्यालय के 87वें दीक्षांत समारोह में संपूर्ण गर्ल्स कैडेट्स की नफरी द्वारा माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।
- जी–20 समिट में आगरा आए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभागिता की।

अंडर ऑफिसर दिव्यांशी ने 1250 फीट की ऊंचाई से एयरोप्लेन से पैरा जंपिंग की।

छात्र कल्याण विभाग

छात्र कल्याण विभाग द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत महाराणा प्रताप जयंती, 1857 के विद्रोह, अन्तरराष्ट्रीय परिवार, विश्व थायराइड दिवस, तम्बाकू निरोध दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अन्तरराष्ट्रीय रक्त दिवस, रानी लक्ष्मी बाई शहीद दिवस, अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस, अन्तरराष्ट्रीय जनसंख्या दिवस, राष्ट्रीय खेल दिवस, शिक्षक दिवस, हिंदी दिवस, विश्व कर्मा जयंती, पंडित दिन दयाल उपाध्याय जयंती, अन्तरराष्ट्रीय पर्यटन दिवस, गांधी जयंती, विश्व खाद्य दिवस, सरदार वल्लभ भाई पटेल, विश्व विरासत, गुरु तेज बहादुर शहीद दिवस, संविधान दिवस/कानून दिवस, विश्व एड्स दिवस, अन्तरराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस, गया मुक्ति दिवस, भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी दिवस, प्रवासी भारतीय दिवस, युवा दिवस (स्वामी विवेकानंद दिवस), नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, राष्ट्रीय मतदाता दिवस, चौरा चौरी दिवस इत्यादि का आयोजन विश्विद्यालय के विभिन्न विभागों में किया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा युवोत्सव 2022–23 का आयोजन खंदारी परिसर में जे०पी सभागार, सेठ पदम् चन्द्र जैन प्रवंधन संस्थान, स्कूल ऑफ लाइफ साइंस और दाऊ दयाल इंस्टिट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन में किया गया, जिसमें संगीत, नाटक, नृत्य, साहित्यिक एवं ललितकलाओं सहित 29 प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया, जिसमें 45 महाविद्यालयों एवं संस्थानों के 800 से अधिक छात्र/छात्राओं ने प्रतिभागिता की। 95 छात्राएँ एवं 41 छात्र विजयी रहे।

एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के 36वें केंद्रीय जोनल युवा महोत्सव सतना, मध्यप्रदेश के ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना में आयोजित 6 से 10 जनवरी तक में विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक टीम ने कुल 20 प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता कर 12 पुरस्कार जीते। पश्चिमी गायन में सात्विक गौर, थिएटर में मृत्युंजय चौहान, पोस्टर मेकिंग में अस्तूति कुमारी, क्ले मॉडलिंग में आरती कुमारी, रंगोली में गुंजन बंसल, स्पॉट फोटोग्राफी में देवराज सिंह, इंस्टॉलेशन टीम की आरती, भारती, देवराज सिंह, अस्तुती विजेता रहे।

जैन विश्वविद्यालय बंगलौर में आयोजित भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा महोत्सव में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा की 10 सदस्यीय टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 5 में से दो पुरस्कार अपने नाम किए। विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक युवा टीम ने 24 से 28 फरवरी तक आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में रंगोली में गुंजन बंसल और मिमिक्री में मृत्यंजय चौहान ने क्रमश दूसरा स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर चमकाया।

इस वर्ष की गंगाधर शास्त्री हिंदी वाद–विवाद प्रतियोगिता की चल वैजयंती किशोरी रमण कन्या महाविद्यालय की सपना एवं सुहानी सिंह, पन्ना लाल मेमोरियल अंग्रेजी वाद–विवाद आगरा कॉलेज की ईला शर्मा एवं मान्या दक्ष, वाक प्रतियोगिता (एलोकेशन) की ट्रॉफी वंशिका शर्मा बी.एस.ए. कॉलेज मथुरा एवं गांधी विचार गोष्ठी (सेमिनार) अमन दीप कौर, आर.बी.एस. कॉलेज के नाम रही।

सामुदायिक रेडियो

1. डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 90.4 "आगरा की आवाज" द्वारा समुदाय के लिए की गई आउटरीच गतिविधियां–

- सामुदायिक रेडियो टीम द्वारा कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन, कोविड टीकाकरण के लाभ, क्षय रोग और जच्चा बच्चा स्वास्थ और पोषण पर समुदाय के बीच जाकर जानकारी देना।

2. डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 90.4 "आगरा की आवाज" द्वारा समाज को स्वास्थ्य सम्बन्धी और सरकार द्वारा चलाई जा रही नीतियों से अवगत कराने हेतु आकांशा सर्वोदय परिषदीय विद्यालय के छात्रों, विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग और गृह विज्ञान विभाग के छात्रों, NCC और NSS कैडेट्स को रेडियो वालंटियर बना कर उपयुक्त जानकारी समय–समय पर दी जाती है।

माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा किये गये विश्वविद्यालय निरीक्षण की झलकियां, साथ में हैं माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय जी एवं राजभवन में विशेष कार्य अधिकारी श्री पंकज जॉनी जी (25 सितंबर 2022)

विश्वविद्यालय अधिकारियों के साथ बैठक

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा
भाषाविज्ञान विद्यापीठ के हस्तलेखागार का निरीक्षण

गृह विज्ञान संस्थान का निरीक्षण

पालीवाल पार्क परिसर का भ्रमण

स्वर्गीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में
श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए

ललित कला संस्थान की आर्ट गैलरी का अवलोकन करते हुए

छलेसर परिसर में शिक्षकों के साथ बैठक करते हुए

आईसीसी के तीन दिवसीय अधिवेशन का होटल क्लार्क शिराज में राज्यपाल ने किया वर्चुअल शुभारंभ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत को बनाएंगी महाशक्तिः आनंदी बेन

agra@inext.co.in

AGRA (27 Dec.) : इंडियन काउंसिल ऑफ कैमिस्ट्स के तीन दिवसीय 41वें राष्ट्रीय अधिवेशन की शुरुआत मंगलवार को होटल क्लार्क शिराज में हुई, जिसका ऑनलाइन शुभारंभ प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित कर किया.

इस अवसर पर राजभवन से ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत को महाशक्ति बनाएगी. अधिवेशन के बारे में बोलते

वैज्ञानिकों को निभानी होगी सार्थक, सक्रिय भूमिका

विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि इतने रसायन शास्त्री एक स्थान पर एकत्रित हुए है तो निश्चित ही रसायन शास्त्र की शोध को नई दिशा मिलेगी. आने वाले समय वैश्विक पटल पर भारत की क्या भूमिका होगी, इसके लिए वैज्ञानिकों को अपनी सार्थक और सक्रिय भूमिका निभाई होगी.

शिक्षा और शोध को देना होगा बढ़ावा

समारोह की अध्यक्षता करते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. आशू रानी ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के

अवार्ड विजेताओं की लिस्ट

- लाईफ टाईम अचीवमेंट अवॉर्ड
- प्रो. रंजीत कुमार वर्मा
- प्रो.वहिदउद्दीन मालिक मेमोरियल अवॉर्ड
- प्रो सरताज तबस्सुम
- प्रो. एसपी हीरामत अवॉर्ड
- प्रो शिपी नवीनचंद्र गोपाल
- डॉ. अरविंद कुमार मेमोरियल अवॉर्ड
- डॉ. नागराजा पी शेट्टी
- प्रो काजा सोमसेखरा राव अवॉर्ड
- डॉ. निमिषा जादौन
- प्रो. एसटी नंदीबेवुर अवॉर्ड
- प्रो. राजकिशोर शर्मा
- प्रो. एसएमएल गुप्ता अवॉर्ड
- प्रो. वीएस श्रीवास्तव

प्रो रंजीत कुमार वर्मा को लाईफ टाईम अचीवमेंट अवॉर्ड,

ये रहे मौजूद

प्रो. एससी गोयल ने पत्रिका विमोचन किया. आईसीसी के महामंत्री महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर के कुलपति प्रो राजेश धाकर, संयोजक प्रो. अजय तनेजा, कोषाध्यक्ष प्रो. मनोज रावत ने आभार व्यक्त किया. प्रो एपी मिश्रा, प्रो एनबी पटेल, प्रो सीपी भसीन, प्रो अली मोहम्मद, प्रो रंजीत कुमार ने सभी अवार्ड विजेताओं के प्रशस्ति पत्रों का वाचन किया. उद्घाटन समारोह में प्रो. देवेंद्र कुमार, प्रो. गौतम जैसवार, प्रो. अमित अग्रवाल, प्रो. आशीष कुमार, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. संध्या अग्रवाल, डॉ. प्रशांत पचौरी, चेतन गौतम, डॉ. संगीता, डॉ. आकाश आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे.

कुलपति ने किया वृक्षारोपण

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

आगरा। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर में स्कूल ऑफ लाइफ साइंस के तत्वावधान में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर आशु रानी ने फलदार तथा फूलों के पौधे लगाए, जिनमें हरसिंगार, कनेर, गुड़हल, बेला, चंपा, रात की रानी तथा अनेक प्रकार के खुशबूदार वृक्षों का रोपण माननीय कुलपति जी प्रोफेसर आशु रानी के कर-कमलों से तथा संस्थान के शिक्षक व छात्र छात्राओं ने लगाए। इस ... उपलब्ध कराये जाए। इस अवसर पर कुलपति ने छात्र-छात्राओं से ... महोदय ने स्कूल ऑफ लाइफ साइंस के प्रत्येक विभाग में निरीक्षण किया।

कुलपति जी के साथ डीन प्रोफेसर भूपेंद्र स्वरूप शर्मा प्रोफेसर, पीके सिंह, प्रोफेसर रजनीश अग्निहोत्री, डॉ अंकुर गुप्ता, डॉ मोनिका अस्थाना, डॉ सुरभि महाजन, डॉक्टर उदिता तिवारी, आदि

सेंट जोंस कॉलेज के स्थापना दिवस पर मेधावियों को सम्मानित किया।

स्वर्ण जयंती समारोह में हुआ सेवा सम्मान

‘आप सभी मेरे हनुमान, आपके बिना पूरी नहीं हो सकती विवि की रामायण’- कुलपति

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में वाल्मीकि जयंती को लेकर हुई विचार गोष्ठी

‘अतीत के गौरव से गढ़ें अपना स्वर्णिम भविष्य’

निःक्षयः आशा ढूंढ़ेंगी टीबी मरीज

जेपी सभागार में सीएचओ और बीसीपीएम को दी गई ट्रेनिंग

agra@inext.co.in

AGRA (14 Dec.) : गुरुवार से हर माह की 15 तारीख को सभी स्वास्थ्य केंद्रों और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर निःक्षय दिवस मनाया जाएगा. इसके लिए, बुधवार को जिला क्षय रोग विभाग द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर

टीबी उन्मूलन कार्यक्रम ... संस्था के साथ मिलकर रेडियो कार्यक्रम और ... व सीएचओ का सम्मान कार्यक्रम करके टीबी की

डॉ. अरुण श्रीवास्तव, सीएमओ

युवोत्सव में विवि के दल ने जीते 12 पुरस्कार

मध्यप्रदेश में हुए 36वें केंद्रीय जोनल युवोत्सव में टीम ने पाया 5वां स्थान

गुरुकुल को गूगल से जोड़ रही शिक्षा नीति

पहले दिन हुई कई प्रतियोगिताएं, कुलपति ने किया उद्घाटन

युवा महोत्सव शुरू, होंगी प्रतियोगिताएं

फोटोग्राफर, ट्रैवल प्लानर, गाइड बनेंगे तो अच्छी कमाई के अवसर

इंडियन काउंसिल ऑफ केमिस्ट के तीन दिवसीय अधिवेशन का समापन

आगरा। इंडियन काउंसिल ऑफ केमिस्ट के वार्षिक अधिवेशन में तीन दिन देश के कोने कोने से आए वैज्ञानिकों ने अपने नए नए शोध को लेकर विचार एवम शोधपत्र की प्रस्तुति दी समापन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि मंत्री प्रो एसपी बघेल ने शुभारंभ किया। प्रो एसपी बघेल जी ने अपने संबोधन में कहा कि ये मेरा सौभाग्य है की मुझे आईसीसी के विदाई समारोह में चीफ गेस्ट बनाने का मौका मिला। उन्होंने मुख्तार सिंह जी के निधन को याद ... को हमनें एक मंच देने की कोशिश की जिसमे शोध के विचार आधान प्रदान किया और नए नए शोध समाज ... गोल्ड का रंग पीला और सिल्वर का रंग सफेद क्यों होता है डा शिवानी चौधरी ने एग्रीकल्चर एवम किच... ड्रग्स डिजाइन किए है। उन ड्रग्स का मानव शरीर पर प्रभाव को लेकर शोध चल रहा है। ड्रग डिजाइन के शोध पर 50 से अधिक शोधपत्र 2022 में

आइडिया आपका... विवि दे रहा स्टार्टअप

विवेकानंद इक्युबेशन फाउंडेशन में हैं 10 सीटें, व्यापार स्थापित करने के लिए मिलता अनुदान

पेटेंट और सेमिनार के लिए भी अनुदान

टेरी रीडिंग का सॉफ्टवेयर बनाकर पंजीकरण कराया

ऑफिस के अलावा अन्य अनुदान भी मिल रहा

प्रो. सारस्वत के नाम दो पेटेंट

माई सिटी रिपोर्टर

विवेकानंद इन्क्यूबेशन सेंटर के निदेशक ने दूसरे विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के साथ डिजाइन पेटेंट स्वीकृत कराया

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के विवेकानंद इन्क्यूबेशन सेंटर के निदेशक व आईईटी के शिक्षक प्रो. वीके सारस्वत के नाम दो पेटेंट केंद्र सरकार के पेटेंट कार्यालय में पंजीकृत हुए हैं। उन्होंने दूसरे विश्वविद्यालयों के शिक्षकों और शोधार्थियों के साथ मिलकर डिजाइन पेटेंट स्वीकृत कराया है।

प्रो. वीके. सारस्वत

प्रो वीके. सारस्वत ने बताया कि पहला डिवाइस प्रोटोटाइप, जिसके डिजाइन को पेटेंट मिला है, वह है 'मेल आथेंटिकेशन डिवाइस यूजिंग बायोमेट्रिक।' इस डिजाइन पेटेंट में एक सेंसर-आधारित कैमरा का इस्तेमाल करके अधिकृत व्यक्ति के पहचान के लिए डिवाइस प्रोटोटाइप बनाई गई है। ... करेगी। यह संस्थागत ई-मेल सिस्टम की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। इस पर प्रो. वीके सारस्वत के अलावा डॉ. मीना अग्रवाल, प्रो. मनीष माहेश्वरी, नूतन मंगवानी, प्रो. चैतन्य आदि ने मिलकर काम किया है।

दूसरा डिजाइन प्रोटोटाइप 'आथेंटिकेशन डिवाइस फॉर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन' है। मुख्य इन्वेंटर प्रो. वीके सारस्वत, डॉ. उमेश कुमार सिंह, शोध-छात्रा शबाना, शेखर दिसवल व अन्य हैं। यह एक ऐसी डिवाइस है जो कि किसी व्यक्ति के अनेकों डेबिट व क्रेडिट कार्ड्स की जानकारी एक जगह एकत्रित रखती है। यह डिवाइस व्यक्ति के विभिन्न कार्ड्स का डाटा इस तरह से एकत्रित करके रखती है कि व्यक्ति को पेमेंट करने के दौरान डिवाइस दिखाने पर यह जानकारी मिल जाती

सुब्रह्मण्यम की रचनाओं से जगी थी जन-जन में आजादी की अलख

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के केएमआई में ...

संगोष्ठी को संबोधित करतीं कुलपति। अमर उजाला

विश्वविद्यालय के केएमआई में हुई गोष्ठी में वक्ताओं ने रखे विचार

की भाषा एक है और मकसद भी एक है। प्रो. प्रदीप श्रीधर ने कहा कि सुब्रमणयम की रचनाओं ने जन जन में आजादी की अलख जगा दी। संचालन डॉ. केशव शर्मा और आभार निदेशक प्रो. यूसी शर्मा ने किया।

कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. बृजेश रावत, प्रो. बिंदुशेखर शर्मा, प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. लवकुश मिश्रा, डॉ. प्रदीप वर्मा, डॉ. गिरिजाशंकर शर्मा, पल्लवी आर्य, डॉ. नीलम यादव आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ (IPR Cell)

The IPR cell has organized one day workshop on "Intellectual Property Rights" on 17th Feb 2023 in the Department of Chemistry, Khandari Campus, Agra. The speakers were Ms. SWATI VARSHNEY, M.Phil., LLB, Patent Agent, Trademark Attorney, 1STOP IP Solutions, Faridabad who delivered talk on IPR, Patent and Copyrights and Mr. ANUJ ASHOK, M.Com, MBA, LLB, FCS, Company Secretary, Anuj Ashok & Associates, Agra who delivered talk on Trade mark, copyrights and Design Acts. The IPR cell has also designed IPR policy for the University by the Members- Dr. Pooja Sharma, Dr. Sanghmitra Gautam and

विवि में बौद्धिक संपदा पर कार्यशाला आयोजित

आगरा, दाता संदेश। डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के खंदारी परिसर स्थित रसायन विज्ञान विभाग में ह्राबौद्धिक संपदा अधिकारह्र (इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स) विषय पर वर्कशॉप का आयोजन विश्विद्यालय में गठित आईपीआर सेल द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के बारे में छात्रों को कलाकारों तथा शिक्षकों को जागरूक करना था। इस कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की यशस्वी कुलपति प्रोफ आशुरानी के द्वारा की गई और प्रति कुलपति प्रोफ अजय तनेजा के निर्देशन में इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया जिसका संचालन प्रोफ गौतम जैसवार ने किया कार्यशाला के प्रथम सत्र में वक्ता के रूप में दिल्ली से पधारी लॉयर श्रीमती स्वाति वार्ष्णेय ने पेटेंट तथा डिजाइन के बारे में बताया तथा कहा कि आई पी आर यानी इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राईट यानी बौद्धिक सम्पदा अधिकार मानव मस्तिष्क के विचारों से उत्पन्न एक उपज है। दुनिया के देश, कई सदियों से अपने-अपने अलग कानून बना कर इस मानव मस्तिष्क से उत्पन्न उपज को सुरक्षित करते चले आ रहे हैं। सन १९९५ में विश्व व्यापार संगठन या ट्रिप्स, इस संगठन का एक समझौता है। सारे देश जो विश्व व्यापार संगठन के सदस्य है, उन्हे इसे मानना है तथा अपने कानून इसी के मुताबिक बनाने हैं द्वितीय सत्र में लॉयर निशा अग्रवाल तथा लॉयर अनुज अशोक ने संबोधित करते हुए सभी प्रकार से कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, लोगों पेटेंट, डिजाइन पेंटिंग पेटेंट आदि के बारे में सभी छात्रों व शिक्षकों की जिज्ञासा को शांत किया और बताया कि किस प्रकार हम अपने अधिकार प्राप्त कर सकते हैं, मूर्तिकला, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वीडियो, संगीत, सहित सभी के पेटेंट के बारे में भी समझाया कार्यशाला में डीन अकादमिक प्रोफ संजीव कुमार के द्वारा किये गए प्रश्न का समाधान और ललित कला संस्थान, इंजीनियरिंग संस्थान, फार्मेसी संस्थान, स्कूल ऑफ लाइफ साइंस सहित अनेकों संस्थानों के छात्र व शिक्षकों की समस्याओं का समाधान किया गया कार्यशाला में धन्यवाद प्रोफ देवेंद्र सिंह ने दिया और सभी अतिथियों का स्वागत प्रतिकुलपति प्रोफे अजय तनेजा तथा प्रोफेसर संजय चौधरी ने किया इस कार्यशाला का पूर्ण रूप से और सफल आयोजन विश्विद्यालय के आईपीआर सेल के कॉर्डिनेटर प्रोफ गौतम जैसवार और को- कॉर्डिनेटर डॉ संघमित्रा गौतम ने किया।

टैबलेट / लैपटॉप वितरण

S.No.	DEPARTMENT	SESSION- 2021		SESSION-2022	
		SMART PHONE	TABLETS	SMART PHONE	TABLET
01	University computer center	68	0	02	38
02	Deptt. Of Physics	0	19	0	16
03	Deptt. Of Chemistry	0	19	0	23
04	Deptt. Of Mathematics	0	08	0	10
05	Deptt. Computer Science	0	35	0	17
06	Seth Padam Chand Jain Institute	51	31	0	42
07	Dau Dayal Sansthan	232	03	0	0
08	ITHM	18	04	0	0
09	Deptt. Of History	0	16	0	0
10	ISS	0	37	0	123
11	SLS	0	101	0	86
12	Deptt. Of Enviourmental Science	0	06	0	07
13	IET	0	263	0	246
14	Deen Dayal Institute	0	13	0	22
15	Deptt. Of Library Science	0	0	0	13
16	Home Science	0	0	17	08
17	Lalit Kala Sansthan	0	0	0	02
	TOTAL -	369	555	19	653

विश्वविद्यालय के गौरवशाली पूर्व छात्र

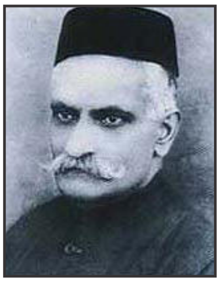

पं. मोती लाल नेहरू
(स्वतंत्रता सेनानी)

श्री हृदयनाथ कुंजरू
(सदस्य, संविधान सभा)

पं. दीन दयाल उपाध्याय
(जनसंघ अध्यक्ष, विचारक एवं चिंतक)

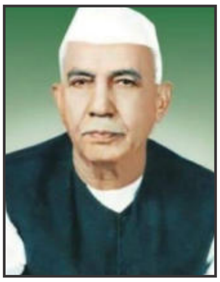

श्री चौ. चरण सिंह
(पूर्व प्रधानमंत्री)

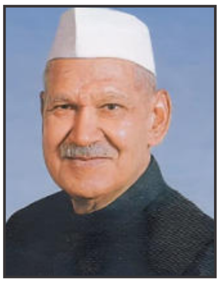

श्री शंकर दयाल शर्मा
(पूर्व राष्ट्रपति)

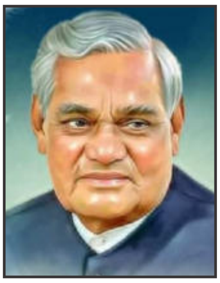

श्री अटल बिहारी वाजपेयी
(पूर्व प्रधानमंत्री)

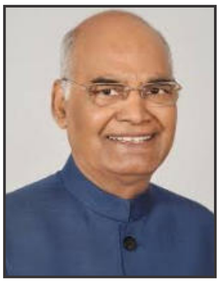

श्री रामनाथ कोबिन्द
(पूर्व राष्ट्रपति)

श्री कल्याण सिंह
(पूर्व मुख्यमंत्री, उ.प्र.)

श्री मुलायम सिंह
(पूर्व मुख्यमंत्री, उ.प्र.)

प्रो. नरेन्द्र सिंह कपानी
(भौतिक विज्ञानी)

श्री अजीत डोभाल
(राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार)

प्रो. डी.पी. सिंह
(शिक्षा सलाहकार, मुख्यमंत्री उ.प्र.)

पूनम यादव
(अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर)

श्री रांगेय राघव
(साहित्यकार)

डॉ. नगेन्द्र
(साहित्यकार)

वैश्विक मानवीय मूल्य प्रकोष्ठ (Universal Human Values Cell)

The National Education Policy (NEP 2020) lays emphasis on developing a holistic perspective of life with emphasis on individual, family, society and Nature. AICTE have been offering this course in its various programs. Now UGC plans to incorporate program on Indian Ethics as credit based modular program to promote universal human values. In light of this the foresightedness of the Hon'ble Vice Chancellor Prof Ashu Rani has established a Universal Human Values Cell in the University. The Nodal Centre for Universal Human Values Cell is at Seth Padam Chand Jain Institute of Management, khandari.

Since it's formation in January 2023 the Universal Human Value Cell, in its first phase has inspired and created awareness amongst the Faculty members of the University campus about the importance of human values in the students. As AICTE is conducting Universal Human Values workshops in 03 different phases, 15 faculty members have already completed UHV-1 workshop and 04 faculty members successfully completed UHV-2 workshop successfully.

In the second phase, these faculty members will enlighten the students about human values. This exercise, planned judiciously with a purpose to enable the students to differentiate between "right and wrong" and to learn the ways to understand humanity and the culture of groups and organizations, thereby resulting into a good human being.

The course is already been introduced in the engineering Institute of the university as a compulsory program for all the streams. Approximately 125 students have been benefitted in this academic session.

In near future, the university is also planning to incorporate a Universal Human Values Programme in all the UG courses as well.

विश्व क्षय/निःक्षय दिवस 24 मार्च 2023

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के टीबी उन्मूलन भारत के सपने को साकार करने में डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा ने वर्ष 2019 से लगातार प्रयास किये हैं, जिसके चलते विश्व टीबी दिवस पर माननीया कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो में निःक्षय मित्र बने लोगों को सम्मान और टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरण के साथ समाज को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया।

- टीबी उन्मूलन अभियान में जिला क्षयरोग विभाग की रिपोर्ट : डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा का वर्ष 2019 से 2023 तक का सहयोग
- सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के सभी संस्थानों और महाविद्यालयों में छात्रों ने एकत्र होकर विश्व क्षय रोग दिवस पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का देश को संबोधन का सजीव प्रसारण देखा।
- कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो आशु रानी कुलपति ने की, मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी श्री ए. मनिकंदन (आईएएस), विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रशांत गुप्ता प्राचार्य एसएन मेडिकल कालेज, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ सी. एल. यादव और कुलसचिव डॉ विनोद सिंह कार्यक्रम संयोजक के रूप में उपस्थित रहे।
- विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों के साथ माननीय कुलपति जी ने 105 महिला टीबी रोगियों को गोद लिया है, जिसके लिए निःक्षय मित्र सर्टिफिकेट से सभी को सम्मानित किया गया।
- क्षयरोग उन्मूलन में सहयोग, निःक्षय मित्र के दायित्व और "रोग से बचाव.. रोगी से नहीं", इस पर श्री ए. मनिकंदन (मुख्य विकास अधिकारी, जिला आगरा) और सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज आगरा के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने विस्तार से जानकारी दी।

- गोद लिए गए टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। युवा टीबी चैंपियन आरती गोला को विश्वविद्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग आगरा की ओर से सम्मानित किया गया।
- सामुदायिक रेडियो के साथ जुड़कर समाज में जागरूकता और प्रचार प्रसार के लिए 20 NCC, 16 NSS कैडेट्स और 28 फार्मेसी विभाग के छात्रों को रेडियो वालंटियर के रूप में सम्मानित किया गया। साथ ही सभी कैडेट्स ने पोस्टर रैली के माध्यम से क्षयरोग उन्मूलन अभियान में सहयोग किया।
- निःक्षय मित्र बनी सामाजिक संस्था श्री बाँके बिहारी एजुकेशनल सोसाइटी, हैल्प आगरा, अनफोल्ड फाउंडेशन, जन कल्याण सर्व कल्याण संस्था को टीबी मरीजों को पोषण आहार सामग्री उपलब्ध कराने और उनको नियमित रूप से बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए सम्मानित किया गया।

महिला प्रकोष्ठ

- विश्वविद्यालय महिला प्रकोष्ठ द्वारा "कार्य–स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़नः समस्या एवं समाधान" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सेठ पदम चंद जैन प्रबंधन संस्थान में कुलपति प्रो. आशु रानी की अध्यक्षता में दिनांक 17/12/2022 को किया गया। मुख्य वक्ता राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती निर्मला दीक्षित एवं वरिष्ठ अधिवक्ता, सिविल कोर्ट श्रीमती नम्रता मिश्रा रहीं। कार्यक्रम का संयोजन महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. स्वाति माथुर ने किया। कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रो. विनीता सिंह, सह–समन्वयक प्रो. अचला गक्खर सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे, इसके अतिरिक्त कुल 126 महिला प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

- महिला प्रकोष्ठ, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा एवं हैल्पिंग हैंड फाउंडेशन के संयुक्त तत्त्वावधान में 'स्वास्थ्य जाँच शिविर' का आयोजन दिनांक 02/02/2022 को कुलपति प्रो. आशु रानी की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय की 300 से ज्यादा छात्राएँ, शिक्षिकाएँ एवं महिला कर्मी लाभान्वित हुईं। जाँच शिविर का संयोजन प्रो. विनीता सिंह एवं प्रो. अचला गक्खर ने किया। कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

- महिला प्रकोष्ठ, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा जिला कारागार, आगरा में 'संध्या भजन' का आयोजन दिनांक 30/03/2023 को कुलपति प्रो. आशु रानी जी की अध्यक्षता में किया गया। जिला कारागार में बंदी कुल 140 महिलाओं को आवश्यक सामग्री एवं उनके साथ रह रहे 14 बच्चों को खिलौने तथा लेखन सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नीलम यादव ने किया। कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रो. विनीता सिंह, सह–समन्वयक प्रो. अचला गक्खर एवं सभी सदस्य उपस्थित रहे।

केन्द्रीय ग्रन्थागार

Library at a Glance

University provides the facility of Central Library in its premises at Paliwal Campus as well as Branch Library at Khandari campus, Sanskriti Bhavan, Challesar Campus and individual libraries in each Department. The books are also provided to the students and a good academic environment is maintained in the library so that the scholars/students can read the material in the library.

E-RESOURCES

(i) Elsevier: 1.4 million articles on Science Direct peer-reviewed and made freely available for users to read, download and reuse.

(ii) Springer Open: Interdisciplinary journal that covers all disciplines. It includes Springer's portfolio of 160+ peer-reviewed fully access journals across all areas of science ranging from very specialized titles to Springer Plus.

(iii) IEEE OPEN: IEEE gold fully journals spanning a wide range of technologies. These journals are significant additions to IEEE's well-known and respected portfolio. Delivering full text access to the world's highest quality technical literature.

(iv) J-Stock: 200 journals on multidisciplinary subjects which are mainly indexed in SCOPUS, WEB OF SCIENCE PMC, PubMed, and MEDLINE.

INFLIBNET & COMPUTERIZATION :

The central library of Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra, possesses Library automation Software 'SOUL' from INFLIBNET. In order to augment, the Library resources under the programme of INFLIBNET : Project of UGC computerization of the whole collection of books, journals and doctoral dissertations is being done and a database of approx 1,52,000. documents have been built up which has already been sent to INFLIBNET Centre of UGC so that data could be included in the total databases of all the University Libraries of the Country, out of which approx. 88,000 unique titles of books and 3675 doctoral dissertations have already been included in union database of INFLIBNET.

NME-ICT Program on behalf of knowledge commission (Govt. of India) is running smoothly since 2011. University intends to start virtual classes, online data searching for research students and faculty members, e-journals, e-book & internet facilities.

SERVICES ARRANGED AND PROVIDED

In order to meet the various types of information needs and queries by the users of the Library, the following types of services are regularly arranged and provided so that readers could be assisted personally,

1. **Reference and Documentation Services:** The Library arranges and provides personal assistance and guidance to the readers on demand.
2. **Wi-Fi enabled Computer Lab facility for Research scholars**
3. **Audio-Visual Facilities:** Besides print material, there is separate collection of non-print materials all available online
4. **Rare Manuscript :** The University is privileged to have a large collection of rare manuscript related to literature, history, astronomy, astrology, religion and philosophy. The collection also contains old coins, old picture and map of Agra at the time of Shah Jahan and other items of immense historical value at K.M. Hindi Institute library. University is making every possible effort for the careful

preservation of this treasure. KM Institute is actively engaged in preservation and study of these manuscripts.

5. **Public Library Facilities :** The Central Library of University provides services to all the Institute and Affiliated Colleges. But now it has extended the library facilities to every individual of the society who want to make use of the library. This facility has been extended from 1998 and anybody can become a regular member of this library.
6. For upgradation of central library in future OCR (Optical Character Recognition), Software for digitization, bar coding facilities & implementation of RFID technology will be the priorities.
7. Implementation of SHODH GANGA Project of Inflibnet from the current session to stop duplication of research work will be speeded.
8. RUSA provided a grant of 30 lakhs for generation of e-resource & Rs. 30 Lakhs for renovation of library building.

रोजगार एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

Introduction:

Training & Placement cell of Dr. Bhim Rao Ambedkar University, Agra has been established on 16th February, 2022 by the efforts of then Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Vinay Kumar Pathak. This is the first and foremost effort in this direction by any Vice-Chancellor in the history of our University. Later after joining by Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Ashu Rani she took initiative for strengthening the Cell.

This Cell is headed by Coordinator Prof. U N Shukla and assisted by two Assistant Co-ordinators namely Prof. Anil Gupta and Dr. S K Jain respectively. The Departmental coordinators have also been attached with this Cell.

Glimpses of 'University Rozgar Utsav- 2022'

- First University Rozgar Utsav was organised on 23rd April, 2022 in collaboration with Regional Employment Office, Agra (National career service).
- 1170 students registered in this mega event of job fair from different department of residential wing, affiliated colleges and private colleges of the university.
- 170 reputed Companies/organization have been invited in this mega event.
- 24 Companies participated in this event some of them are as such:

  Make Organic India Ltd., Career Bridge Skill Solutions, 108 EMTS, Walking Tree Technologies, ICICI Bank in collaboration with NIIT, Oswal Books Publications, LIC, Your Travel Solutions, Hotel Ramada Plaza, Shivanoes Travels, Maa Vaishno Enterprises, Nigella Capitals, Airtel, Go Comet India Pvt Ltd., Apollo Pharmacy, Pukhraj Healthcare, Aditya Rising Tours, Romsons Group Pvt Ltd., Yes Biz Marketing, Tata Strive Skill Development.
- 204 Students selected in this Job Fair and more than 50 students scrutinized for next recruitment process of the company.
- This event was organised at Institute of Engineering Technology and JP Sabhagar with the help of approximatly 140 members of organising committee/ Volunteers.

विवेकानन्द इन्क्यूबेशन फाउण्डेशन (VIF)

In line with UP Government's 'StartUp Policy 2020', Dr Bhimrao Ambedkar University has taken lead to promote culture of innovation and entrepreneurship at grass root level and nurture Start-ups in the western UP region under the Start-in-UP program of Govt. of Uttar Pradesh. The university has set up its Vivekananda Incubation Foundation (VIF) - a section 8, not for profit company under 'The Companies Act, 2013', affirming the university's active partnership in advancing Government of India (GoI) endeavours towards encouraging and supporting the start-up culture in and around Agra region.

Vivekananda Incubation Foundation (VIF), located at University's Khandari Campus, Agra; has been approved a grant of Rs 1.5 Crore for a period of 5 years to run Start-up business incubators, by Department of IT & Electronics, GoUP through its nodal agency Uttar Pradesh Electronics Corporation Ltd. (UPLC).

Vivekananda Incubation Foundation provides essential support to Start-up companies having innovative ideas but lack resources to translate their ideas into viable businesses. With its present capacity of 10 incubators, VIF offers incubation support in terms of Co-working Space, Conference & Meeting Rooms, Hi Speed Wi-Fi internet facility, along with the Networking, Mentoring, Investor connect and Marketing outreach to the start-up companies.

VIF, Board of Directors comprises of Prof. VK Saraswat as Director & Incharge, Prof. Ajay Taneja, Prof. Ranvir Singh (as representative of - Hon. Vice Chancellor), Registrar, and Finance officer of Dr. Bhimrao Ambedkar University.

VIF focus Industry sectors: Service Industry, Healthcare, Agriculture, Technology, Smart Home, Wearable.

VIF in a short span has marked following key achievements -

1. The 3 start-up companies from VIF were invited to participate and showcase their start-up initiatives and explore partnership opportunities during the UP Global Investment Summit (UP-GIS) 2023 organised by Govt. of UP at Lucknow during 10-12th Feb 2023. The UP-GIS participants were from 10 countries and it was inaugurated by Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra Modi.
2. Prof. VK Saraswat, Director & Incharge of VIF has got two patents registered with the patent office at Central government. Dr. Saraswat & his team got first Patent on "Device Prototype for Mail Authentication using Biometrics", whereas the other patent on 'Authentication device for online Transaction'. These patents are developed along with the professors and researchers from other universities, to enable advancement in Financial Industry and On-Line Transaction economy.
3. In association with Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE), Dept. of Higher Education, Ministry of Education, Govt. of India; during Nov 2022, VIF conducted District Level Workshops, on promoting Social Entrepreneurship, Sustainability and Rural Engagement by integrating vocational education into Higher Education Institutes.
4. VIF signed an MoU with Walkover Web Solutions Pvt. Ltd, also known as "MSG91" to provide Enterprise Communication Solutions, for VIF start-ups. With this MoU, MSG91 will offer its internet based services, on complimentary basis to VIF start-ups to manage their marketing & outreach activities.

Start-ups with VIF

Tarotit Guidance & Healing — Easy Mind Space Pvt Ltd.

AMIACH — Amiach Technologies Pvt Ltd.

Eqippes — Gearloose Labs Pvt Ltd.

WorkBrick — WorkBrick LLP

एम.एस.एम.ई. पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

A National Seminar on Marketing of MSME Products and Services was organized by the Faculty of Management , Dr. Bhimarao Ambedkar University by Faculty of Management fully sponsored by Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), Government of India on 18th March 2023.

Prof Ashu Rani, Vice-Chancellor, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra presided over the function, Sri Kashmiri Lal Ji, Rashtriya Sangathak of Swadeshi Jagaran Manch was Key Note speaker while Prof. Manoj Kumar Agrawal, Head, Department of Economics , Lucknow University was the Chief Guest. Sri Brajesh Yadav Dy Director- MSME Agra Office, Sri Rakesh Aima, Zonal Manager - State Bank of India, Mr Shalabh Sharma, President, National Chamber of Industries and Commerce were Guest of Honours in the inaugural session.

Different Technical sessions like e-marketing , Digital Marketing, GEM portal etc. were organized and addressed by the subject experts.

Prof Lavkush Mishra, Dean, Faculty of Management and Head, Department of Travel and Tourism Management was the convener and Dr. Mukesh Sharma, Assistant Director MSME, Agra Office was the coordinator of the Seminar.

More than 250 participants from across the country participated in the Seminar held in Auditorium of Sanskriti Bhawan , University Civil Lines Campus , Agra.

Some prominent First Generation Entrepreneurs were also felicitated on the occasion with the vision to encourage youngsters to be job providers instead of job seekers.

G20 देशों के प्रतिनिधि मंडल के आगरा आगमन पर विश्वविद्यालय की सहभागिता

G-20 Summit in Agra was organised from 11th Feb to 12th Feb 2023. In fact the esteemed delegates came to Agra on 10th Feb 2023 and went back on after noon of 13th Feb2023.

The University organised various events and activities in different affiliated colleges as direction received by the state government time to time. University participated in many events like making of World Records in Essay Writing , walkathon, Marathon etc.

Following are the some memorable pics of different events / activities held in Residential Wing of the University in Campus.

आयोजन

मुगल, कुषाण व गुप्त काल के सिक्कों ने लुभाया

सोने की डाक टिकट

विवि में दो दिवसीय कल्चरल कार्निवाल

जी-20 वसुदेव कुटुंबकम का भव्य शुभारंभ

विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों का विवरण :

S. No.	Competition	1st Prize	2nd Prize	3rd Prize
1	Rangoli	Sudesh Kumar Lalit Kala Sansthan	Aditi Lalit kala Sansthan	Kalpana Rajauria Department of Chemistry IBS
2	Painting	Kamini Verma Computer Science IET	Kanika Singh Lalit Kala Sansthan	Aditi Lalit kala Sansthan
3	Play	IET Sansthan	SPCJ Institute	Biotechnology SLS
4	Classical Solo	Priya Sagar Biochemistry Department	Jyoti Microbiology Department	Savita Sharma Botany Department
5	Group Dance	Zoology Department	Environmental Studies Department	Biochemistry Department